संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 261
पृष्ठ 8
गुरूवार
11 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com | सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में खुद को ठंडा रखना...
विचार- अमेरिका-ईरान युद्ध में ट्रंप की...
खेल- भारत के बाद पाकिस्तान ने भी...

ईओडब्ल्यू की समीक्षा, सीएम योगी बोले-

तकनीक आधारित जांच व्यवस्था से सशक्त होगा ईओडब्ल्यू

लखनऊ,संवाददाता। आर्थिक अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई को और अधिक प्रभावी, त्वरित और परिणामोन्मुख बनाने के लिए आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) को आधुनिक तकनीक, सुदृढ़ जांच प्रणाली और प्रभावी अनुश्रवण तंत्र से सशक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईओडब्ल्यू की कार्यप्रणाली एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए आर्थिक अपराधों से जुड़े मामलों में त्वरित जांच, प्रभावी कार्रवाई और दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में आर्थिक अपराधों से संबंधित लंबित जांच, विवेचनाओं, गिरफ्तारी, अभियोजन, जनजागरूकता गतिविधियों तथा संगठनात्मक सुधारों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय धोखाधड़ी, जालसाजी, गबन और अन्य आर्थिक अपराध न केवल सरकारी संसाधनों को प्रभावित करते हैं, बल्कि आम नागरिकों के विश्वास को भी आघात पहुंचाते हैं। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध कठोर और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में बताया गया कि संगठन द्वारा लंबित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2026 में 31 मई तक 155 जांच, विवेचना एवं अनुवर्ती कार्यवाहियों का निस्तारण किया जा चुका है। इसी अवधि में 71 अभियुक्तों की गिरफ्तारी भी सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पुराने मामलों के निस्तारण में और तेजी लाई जाए तथा वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मामलों में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं, उनमें अभियोजन और न्यायिक प्रक्रिया को गति दी जाए। उन्होंने सुदृढ़ पैरवी, गुणवत्तापूर्ण विवेचना और साक्ष्य संकलन के माध्यम से अधिकाधिक मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में महत्वपूर्ण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि प्रत्येक मामले की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और दोषियों को कानून के अनुसार दंडित कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए।

बैठक में बताया गया कि जांच, विवेचना और अनुवर्ती कार्यवाहियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए केस मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) विकसित किया गया है। यह प्रणाली प्रकरणों के डिजिटल प्रबंधन, ऑनलाइन रिपोर्टिंग, रियल टाइम मॉनिटरिंग तथा डैशबोर्ड आधारित अनुश्रवण की सुविधा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने इसके प्रभावी उपयोग के निर्देश देते हुए कहा कि तकनीक आधारित व्यवस्था से जांच की गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि होगी। जांच अधिकारी किसी मामले को तीन माह से अधिक समय तक अपने पास न रखें। इस सम्बंध में उनकी जवाबदेही भी तय की जाय। मुख्यमंत्री ने आर्थिक अपराधों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बदलते तकनीकी परिवेश में वित्तीय धोखाधड़ी, निवेश संबंधी ठगी तथा अन्य आर्थिक अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना आवश्यक है।

मोदी सरकार की बुकलेट में 12 साल की उपलब्धियां

टैक्स में राहत को बताया रामराज्य की झलक

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने एक विशेष बुकलेट जारी की है। इसमें नरेंद्र मोदी के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने के कार्यकाल की उपलब्धियां बताई गई हैं। सरकार का कहना है कि पिछले 12 साल में आयकर (इनकम टैक्स) का बोझ कम होना रामराज्य की सोच को दिखाता है। जीएसटी, फेसलेस टैक्स और डिजिटल इंडिया जैसे सुधारों ने सरकारी व्यवस्था में जनता का भरोसा बढ़ाया है। ये सुधार भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मदद करेंगे। बुकलेट के मुताबिक, टैक्स देने वालों का विश्वास बढ़ने से सड़कों, अस्पतालों और बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा है। मोदी सरकार ने 2014 से अब तक चार बार टैक्स में बड़ी राहत दी है। पिछले 12 साल में सालाना टैक्स–फ्री आय की सीमा छह बार बढ़ाई गई है। पहले यह सीमा दो लाख रुपये थी, जो अब बढ़कर 12.75 लाख रुपये हो गई है। इस दौरान टैक्स भरने वालों की संख्या भी 5.26 करोड़ से बढ़कर 12.13 करोड़ पहुंच गई है। सरकार का कहना है कि जब उसकी कमाई बढ़ी, तो वह पैसा खजाने में जमा नहीं रहा। वह पैसा विकास कार्यों के जरिए नागरिकों के पास वापस पहुंचा। अब इनकम टैक्स रिफंड भी पहले से ज्यादा जल्दी मिल रहे हैं। इससे लोगों के पास नकदी की उपलब्धता बढ़ी है। बुकलेट में लिखा है कि टैक्स का बोझ कम होने से लोगों का भरोसा बढ़ा है। लोग देख रहे हैं कि उनका पैसा देश के भविष्य के निर्माण में लग रहा है। यही सुशासन है और यही रामराज्य का संदेश है। भारत की विकास यात्रा फ्रेजाइल फाइव से सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था तक पहुंच गई है। साल 2013 में भारत दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था। लेकिन कड़े सुधारों ने पूरी तस्वीर बदल दी। आज भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। सरकार ने महंगाई पर काबू पाया और जीएसटी लागू कर पूरे देश को एक बाजार बनाया। बैंकिंग सुधारों से बैंकों का फंसा हुआ कर्ज भी कम हुआ है। जीएसटी सुधारों ने नागरिकों का जीवन आसान बनाया है।

ग्रेटर नोएडा में तेज आंधी–तूफान का कहर, निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से मची अफरा–तफरी

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आए तेज आंधी–तूफान ने बुधवार को भारी तबाही मचाई। रबूपुरा क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान की दीवार अचानक भरभराकर पड़ोस के मकान पर गिर गई, जिससे वहां अफरा–तफरी का माहौल बन गया। हादसे में पड़ोसी मकान की छत का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना के समय मकान के अंदर मौजूद लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली और कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार रबूपुरा क्षेत्र में एक मकान की तीसरी मंजिल पर निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी–तूफान शुरू हो गया। तेज हवाओं के दबाव के चलते निर्माणाधीन हिस्से की एक दीवार संतुलन खो बैठी और बगल में बने मकान पर जा गिरी। दीवार गिरने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दीवार गिरते ही पड़ोसी मकान की छत का एक हिस्सा भी ढह गया। उस समय मकान के अंदर परिवार के कई सदस्य मौजूद थे। जोरदार आवाज और कंपन महसूस होने पर सभी लोग तत्काल घर से बाहर निकल आए। कुछ ही क्षण बाद दीवार और मलबा मकान पर आ गिरा। यदि परिवार के सदस्य समय रहते बाहर नहीं निकलते तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोगों ने राहत और बचाव कार्य में सहयोग करते हुए मलबे की जांच की तथा यह सुनिश्चित किया कि कोई व्यक्ति उसके नीचे न दबा हो। हादसे में दोनों मकानों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, खासकर ऐसे मौसम में जब तेज आंधी और तूफान की संभावना बनी रहती है।

तीन बार जनादेश मिलना असाधारण उपलब्धि, राघव चड्ढा ने पीएम मोदी के रिकॉर्ड कार्यकाल को बताया ऐतिहासिक

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के रिकॉर्ड कार्यकाल पर राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे भारतीय लोकतंत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां 140 करोड़ से अधिक लोग, 22 अनुसूचित भाषाएं, सैकड़ों बोलियां, विभिन्न धर्म, जातियां और समुदाय साथ रहते हैं। ऐसे विविधतापूर्ण देश में किसी एक नेता को लगातार तीन बार जनादेश मिलना असाधारण उपलब्धि है। सांसद राघव चड्ढा ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज इतिहास रचा गया है। 10 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पद पर लगातार 4,399 दिन पूरे किए। इस तरह उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के कार्यकाल को पीछे छोड़ दिया और हमारे गणतंत्र के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बन गए।

उन्होंने लिखा, एक पल रुककर सोचिए कि इसका असल में क्या मतलब है। भारत कोई आम देश नहीं है। यह 140 करोड़ लोगों की एक सभ्यता है। यह 22 अनुसूचित भाषाओं और सैकड़ों बोलियों, कई धर्मों, जातियों, समुदायों और पंथों और अनगिनत क्षेत्रों व जीवन–शैलियों वाले लोगों की धरती है, जो एक साथ रहते हैं। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, जहां लगभग 98 करोड़ मतदाता हैं, जो पूरे यूरोप की आबादी से भी अधिक हैं। यह हमारे देश में होने वाली चुनावी प्रक्रिया को शायद दुनिया की सबसे जटिल चुनावी प्रक्रिया बनाता है। सांसद ने कहा, इन 140 करोड़ लोगों ने बार–बार इसी नेता को देश की बागडोर सौंपी है।

पीएम मोदी के रिकॉर्ड पर कांग्रेस का बड़ा हमला, कहा,

देश पर बन गए हैं बोझ, लोकतंत्र की हत्या के लिए जिम्मेदार

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने के नरेन्द्र मोदी के रिकॉर्ड को लेकर बुधवार को दावा किया कि वह भारत पर एक बोझ की तरह हैं क्योंकि वह लोकतंत्र की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी भले ही पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रति ष्सनकष् के चलते कोई खुद का तय मील का पत्थर हासिल कर रहे हों, लेकिन असल में वह पंडित नेहरू, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महापुरुषों की उपलब्धियों को मिटाना चाहते हैं। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया कि 15 अगस्त, 1947 को जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री बने और उन्होंने एक ऐसी शानदार कैबिनेट की अगुवाई की, जैसी दुनिया में शायद ही कभी देखी गई हो। इसके अगले पांच वर्षों में आधुनिक भारत का निर्माण हुआ। उस समय 560 से अधिक रियासतों को शांतिपूर्ण ढंग से भारतीय संघ में मिलाया गया, भारत के संविधान पर चर्चा हुई और उसे अंगीकार किया गया, जमींदारी प्रथा खत्म की गई, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण लागू किया गया, कई बहुउद्देशीय सिंचाई व बिजली परियोजनाएँ शुरू की गईं, विज्ञान–तकनीक (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया। भारत वैश्विक मामलों में एक ताकत के रूप में उभरा। रमेश का कहना है कि उसी दौर में सभी वयस्कों को वोट देने का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए 17 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं वाली मतदाता सूची तैयार की गई और आजाद भारत के पहले आम चुनाव अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 के बीच हुए।ष्947–52 के दौरान नेहरू के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत की उपलब्धियों को अब प्रधानमंत्री मोदी मिटाना चाहते हैं, जिसमें सरदार पटेल, डॉ. आंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे दिग्गजों ने अहम भूमिका निभाई थी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी को नेहरू को लेकर एक तरह का जुनून या सनक है। हो सकता है कि उन्होंने आज खुद से तय किया हुआ और संदिग्ध तरीके से बनाया गया कोई मील का पत्थर हासिल कर लिया हो, लेकिन वह भारत के ऊपर एक बोझ की तरह हैं।

कांग्रेसियों ने ही मीनाक्षी नटराजन का खेल बिगाड़ा

भोपाल,एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्यसभा चुनाव में सीट चोरी के आरोपों को नकारते हुए बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का खेल बिगाड़ने का काम उन्हीं की पार्टी के नेताओं ने किया क्योंकि उनमें से कई की नजर उस सीट पर थी। राज्यसभा की तीन सीटों पर हो रहे चुनाव में मंगलवार को उस समय नाटकीय मोड़ आ गया, जब शपथपत्र में जानकारी छुपाने के आरोप में नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया गया। राज्यसभा के निर्वाचन अधिकारी अरविंद शर्मा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि उपलब्ध दस्तावेजों की जांच के बाद पाया गया कि नटराजन ने नामांकन के साथ जमा किए गए फॉर्म 26 में अदालत की शिकायत का जिक्र नहीं करते हुए अधूरा हलफनामा दाखिल किया था। मध्यप्रदेश विधानसभा के एक अधिकारी के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार महेश केवट ने निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि नटराजन ने अपने हलफनामे में तेलंगाना में उनके खिलाफ दर्ज मामले का उल्लेख नहीं किया है।

केरल में मुफ्त बस यात्रा: 15 जून से शुरू होगी प्रियदर्शनी योजना

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल सरकार ने बुधवार को प्रियदर्शनी योजना को मंजूरी दे दी। इसके तहत 15 जून से केएसआरटीसी की साधारण बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशान ने साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के बाद यह घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए कोई पात्रता मानदंड नहीं होगा। इसमें उम्र या आय के आधार पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। सरकार ने इस पहल के कारण राजस्व हानि की पूरी भरपाई केएसआरटीसी को करने का निर्णय लिया है। अनुमान है कि इस योजना से राज्य के खजाने पर सालाना लगभग 800 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा, जो मुआवजे के रूप में केएसआरटीसी को हस्तांतरित किया जाएगा।

सतीशान ने साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के तुरंत बाद मीडिया से कहा फिलहाल, राज्य सरकार केएसआरटीसी को वित्तीय सहायता के रूप में प्रतिवर्ष लगभग 1,500 करोड़ रुपये देगी। मुफ्त यात्रा योजना से उत्पन्न अतिरिक्त बोझ अब इस सहायता में जुड़ जाएगा। यह योजना शुरू में केवल सामान्य सेवा बसों पर लागू होगी। सरकार छह महीने बाद इसकी समीक्षा करने की योजना बना रही है। केएसआरटीसी को इस अवधि के दौरान राजस्व बढ़ाने और अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कहा गया है। इस योजना का लाभ ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को भी दिया जाएगा, जिससे इसका दायरा व्यापक हो जाएगा। यह घोषणा महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन की पहुंच बढ़ाने और गतिशीलता सुनिश्चित करने के सरकारी प्रयासों का हिस्सा है। यह योजना नई सरकार की प्रमुख कल्याणकारी पहलों में से एक बनने की उम्मीद है, लेकिन केएसआरटीसी और राज्य के बजट पर इसका वित्तीय प्रभाव आने वाले महीनों में चर्चा का मुख्य विषय बने रहने की संभावना है। सीपीआई–एम की पार्टी की बैठक में हुई उस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें चुनाव में मिली करारी हार का विश्लेषण करते हुए कहा गया था कि कांग्रेस और भाजपा के बीच एक गुप्त समझौता हुआ था जिससे दोनों पार्टियों को चुनाव में फायदा हुआ।

पीएम मोदी की नेहरू से कोई बराबरी नहीं–शरद पवार

मुंबई,एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना जवाहरलाल नेहरू से किए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के त्याग और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को नहीं भूल सकते। पवार ने राकांपा(शप) के 27वें स्थापना दिवसकार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं और ऐसी छवि बनाई गई है कि उनके जैसा कोई नेता नहीं है। उन्होंने कहा, "राष्ट्र निर्माण और स्वतंत्रता संग्राम में नेहरू के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता और उसका सम्मान किया जाना चाहिए।"

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, "उनकी तुलना किसी और से नहीं की जा सकती। महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई के दौरान नेहरू ने कई साल जेल में बिताए।" पवार ने मोदी के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, "यह अच्छी बात है। संसदीय लोकतंत्र में प्रधानमंत्री का पद संवैधानिक होता है और हमें उसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन नेहरू तो नेहरू हैं और भारतीय उनके त्याग को नहीं भूल सकते।" महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता गिरीश महाजन ने आरोप लगाया था कि इंदिरा और राजीव गांधी ने सिखों पर अत्याचार किया

आत्मनिर्भर भारत: रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला

नौसेना के लिए 449 करोड़ के स्वदेशी जीएनएसएस जैमर का करार

नयी दिल्ली,एजेंसी। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान को आगे बढ़ाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने बेंगलुरु स्थित कंपनी अकॉर्ड सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (एएसएसपीएल) के साथ 20 एन्हांस्ड कैपेबिलिटी ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (ईसीजीएनएसएस) जैमर की खरीद के लिए 449 करोड़ रुपए के अनुबंध (कॉन्टैक्ट) पर हस्ताक्षर किया है। इस परियोजना में कम से कम 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अनुबंध 10 जून 2026 को राष्ट्रीय राजधानी में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। यह खरीद बाय (इंडियन–इंडिजिनसली डिजाइन्ड, डेवलप्ड एंड मैन्युफैक्चर्ड) श्रेणी के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य देश में विकसित और निर्मित रक्षा प्रणालियों को बढ़ावा देना है। बयान में कहा गया है कि यह अत्याधुनिक प्रणाली दुश्मन के ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) रिसीवर की सिग्नल प्राप्त करने और ट्रैकिंग क्षमता को कमजोर करने में सक्षम है। इसके अलावा, यह सिग्नल स्पूफिंग और डिसेप्टिव जैमिंग जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर दुश्मन को भ्रमित भी कर सकती है। सरल शब्दों में कहें तो यह प्रणाली दुश्मन के नेविगेशन और लक्ष्य निर्धारण सिस्टम को प्रभावित कर नौसेना के जहाजों की सुरक्षा बढ़ाने में मदद करेगी। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इन जैमर प्रणालियों की तैनाती से भारतीय नौसेना के युद्धपोतों को बहु–खतरे वाले वातावरण में सुरक्षित और प्रभावी तरीके से संचालन करने में मदद मिलेगी। आधुनिक समुद्री युद्ध में इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

एलआईसी कर्मचारियों की जनगणना ड्यूटी पर अंतरिम रोक, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के कर्मचारियों की जनगणना–2027 में ड्यूटी लगाने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश सलिल कुमार राय और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के कर्मचारियों की जनगणना–2027 में ड्यूटी लगाने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश सलिल कुमार राय और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने दिया है। कानपुर नगर निगम के जोन–1 के चार्ज अधिकारी की ओर से 5 मई 2026 को एलआईसी कर्मचारियों की जनगणना में ड्यूटी लगाने का आदेश जारी किया गया था। इस आदेश को नॉर्थ सेंट्रल जोन इंश्योरेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन ने हाईकोर्ट की एकलपीठ में चुनौती दी। एकल पीठ ने याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि याचियों ने संबंधित आदेश को स्पष्ट रूप से चुनौती नहीं दी है। इसके बाद विशेष अपील दाखिल की गई। खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि नगर निगम के जोनल अधिकारी के पास एलआईसी कर्मचारियों की जनगणना कार्य में ड्यूटी लगाने का अधिकार नहीं था। अदालत ने माना कि ऐसा आदेश जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 7 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। यह वर्ष 2011 में दिए गए हाईकोर्ट के एक पूर्व निर्णय के भी विपरीत है। अदालत ने स्पष्ट किया कि नियमानुसार किसी प्रतिष्ठान, फैक्ट्री या संस्था के कर्मचारियों से जनगणना कार्य में सहायता ली जा सकती है, लेकिन यह सहायता केवल उस संस्थान के परिसर तक सीमित है। खंडपीठ ने यह भी कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य होने मात्र से किसी आदेश की वैधता सिद्ध नहीं हो जाती। किसी भी प्रशासनिक आदेश को कानून और वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप होना आवश्यक है। प्रथम दृष्टया आदेश को कानून के विपरीत मानते हुए हाईकोर्ट ने जनगणना में ड्यूटी लगाने वाले आदेश पर रोक लगा दी है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 6 जुलाई 2026 को निर्धारित की है। तब तक 5 मई 2026 के आदेश के संचालन पर रोक जारी रहेगी।

राजू पाल हत्याकांड के दोषी आबिद की जमानत अर्जी मंजूर, डबल बेंच ने सुनाया फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजू पाल हत्याकांड में दोषी करार आबिद की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने आबिद की ओर से दाखिल अपील पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजू पाल हत्याकांड में दोषी करार आबिद की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने आबिद की ओर से दाखिल अपील पर दिया है।

मामला धूमनगंज थाना क्षेत्र का है। 25 जनवरी 2005 को शहर पश्चिमी से बसपा से विधायक रहे राजू पाल की हत्या कर दी गई थी। चर्चित घटना में देवी लाल पाल और संदीप यादव की भी मौत हुई थी, जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए थे। राजू पाल की पत्नी पूजा पाल की तहरीर पर अतीक अहमद उसके भाई अशरफ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच पुलिस के बाद सीबीसीआईडी को सौंपी गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मामले की विवेचना सीबीआई ने की। नए सिरे से जांच के बाद 10 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया। ट्रायल कोर्ट ने आबिद को दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सजा के खिलाफ आबिद में हाईकोर्ट में अपील संग जमानत अर्जी दाखिल की थी। आबिद के अधिवक्ता ने दलील दी कि वह नामजद नहीं था। सह आरोपियों के बयान के आधार पर उसका नाम शामिल किया गया था। इससे की बरामदगी भी नहीं हुई। मामले के मुख्य आरोपी माफिया अतीक अहमद और अशरफ की ट्रायल के दौरान ही मौत हो गई। अपील निस्तारण में वक्त लगेगा। लिहाजा, कोर्ट ने आबिद की जमानत अर्जी मंजूर कर ली।

आदेश की अवहेलना पर वाराणसी पुलिस कमिश्नर 11 जून को तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश की अवहेलना पर वाराणसी के पुलिस कमिश्नर को 11 जून 2026 को दोपहर दो बजे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकल पीठ ने दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश की अवहेलना पर वाराणसी के पुलिस कमिश्नर को 11 जून 2026 को दोपहर दो बजे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकल पीठ ने दिया है। मामला कर्मचारी परमहंस गुप्ता के निलंबन से जुड़ा है। उन्हें 10 नवंबर 2024 को निलंबित किया गया था। इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कहा कि उनके खिलाफ कोई आरोपपत्र जारी नहीं किया गया है। इस कारण उन्हें लंबे समय तक निलंबित नहीं रखा जा सकता। इस पर हाईकोर्ट ने 17 सितंबर 2025 को आदेश देते हुए याचिकाकर्ता को चार सप्ताह में आरोप पत्र का जवाब देने का आदेश दिया था।

साथ ही विभाग को छह सप्ताह में जांच पूरी करने का अंतरिम आदेश दिया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि में जांच पूरी नहीं होने पर निलंबन समाप्त माना जाएगा और कर्मचारी को बहाल कर वेतन दिया जाएगा। याची के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने सभी औपचारिकता पूरी कर दी। इसके बाद भी विभाग ने न तो जांच पूरी की और न ही निलंबन समाप्त किया। इस पर अदालत ने पुलिस कमिश्नर को तलब करते हुए आदेश के अनुपालन पर जवाब मांगा है।

न्यायालय परिसर में हार्ट अटैक से एडीजीसी भानु प्रताप सिंह का निधन

प्रयागराज। जिला न्यायालय परिसर में मंगलवार दोपहर अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) भानु प्रताप सिंह की हार्ट अटैक से मौत हो गई। कोर्ट नंबर–नौ से संबद्ध एडीजीसी भानु प्रताप सिंह दोपहर करीब 1रू30 बजे अपने कार्यालय में लंच की तैयारी कर रहे थे। तभी सीने में तेज दर्द हुआ और वह बेसुध होकर गिर पड़े। वहां मौजूद शासकीय अधिवक्ताओं और अन्य वकीलों ने उन्हें जिला चिकित्सालय (बेली अस्पताल) पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आजमगढ़ जिले के अतरौलिया निवासी भानु प्रताप सिंह वर्तमान में प्रयागराज के अशोक नगर में रहते थे। वर्ष 2018 में उनकी नियुक्ति शासकीय अधिवक्ता के रूप में हुई थी। घटना के समय परिवार आजमगढ़ में था। सूचना मिलने के बाद परिजन प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। उनका अंतिम संस्कार आज किया जाएगा।

अधिवक्ता जागृति शुक्ला मौत मामले की होगी न्यायिक जांच, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत के मामले की न्यायिक जांच कराने का आदेश दिया है। 20 मई को जागृति शुक्ला सड़क हादसे में घायल हो गई थीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत के मामले की न्यायिक जांच कराने का आदेश दिया है। 20 मई को जागृति शुक्ला सड़क हादसे में घायल हो गई थीं। उन्हें उपचार के लिए एसआरएन अस्पताल ले जाया गया था। आरोप है कि इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टरों ने इलाज में लेट लतीफी और मनमानी की। इसके कारण अधिवक्ता की हालत और खराब हो गई।

उन्हें पीजीआई लखनऊ में भर्ती कराया गया था, लेकिन बचाया नहीं जा सका। घटना बाद काफी बवाल बढ़ गया। अधिवक्ताओं ने इसका विरोध किया और चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत मामले में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने न्यायिक जांच का आदेश जारी किया है। हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज पूरे मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। अधिवक्ता ओमर जामिन की ओर से दाखिल पीआईएल पर जस्टिस सलिल कुमार राय और जस्टिस स्वरूप कुमार चतुर्वेदी की डबल बेंच ने सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया।

क्या था अधिवक्ता तर्क

हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल करने वाले अधिवक्ता ने कोर्ट में तर्क दिया कि 20 मई को अधिवक्ता जागृति शुक्ला इंदिरा गांधी चौराहे के पास सड़क हादसे में घायल हो गईं। साथी महिला अधिवक्ता और अन्य लोग उन्हें लेकर एसआरएन अस्पताल पहुंचे। यहां पर इमरजेंसी में तैनात जूनियर डॉक्टर सोते मिला। जगाने पर उन लोगों ने घायल जागृति शुक्ला के साथ आए लोगों के साथ मारपीट की और उन्हें अपमानित किया।

जागृति शुक्ला के उपचार में चार घंटे की देरी की गई। जिससे कारण उनकी स्थिति काफी नाजुक हो गई। उन्हें दूसरे अस्पताल में ले जाया गया लेकिन हालत में सुधार न होने पर उन्हें पीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान आठ जून को उनकी मौत हो गई। यह भी आरोप है कि इस मामले में चिकित्सकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी, लेकिन पुलिस ठीक से विवेचना नहीं कर रही थी। जिसके कारण पीआईएल दाखिल करनी पड़ी।

जिनकी कलाइयों में बांधी राखी, उन्हीं के कंधों पर तय की अंतिम यात्रा

प्रयागराज। जिन दो छोटे भाइयों की कलाई पर अधिवक्ता जागृति शुक्ला राखी बांधा करती थीं, मंगलवार को उन्हीं के कंधों पर सवार होकर दुनिया से अपनी अंतिम यात्रा तय की।

जिन दो छोटे भाइयों की कलाई पर अधिवक्ता जागृति शुक्ला राखी बांधा करती थीं, मंगलवार को उन्हीं के कंधों पर सवार होकर दुनिया से अपनी अंतिम यात्रा तय की। जागृति के छोटे भाई अभिषेक और ओम ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उन्हें लाडली बहन को घर से ऐसे बेजान शरीर में विदा करना होगा। बहन का शव उठाने में दोनों के हाथ कांप रहे थे।

भाइयों के साथ ही पिता पंकज शुक्ला ने भी कंधा दिया। बुढ़ापे में बेटी का पार्थिव शरीर उठाते वक्त मानो उन पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। अंतिम विदाई देते वक्त उनके आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। मुखाग्नि पिता ने दी। मां उमा शुक्ल तो घर में ही बेसुध पड़ी रहीं।

जागृति के पार्थिव शव का अंतिम संस्कार दारागंज के श्मशान घाट पर किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में हाईकोर्ट के अधिवक्ता मौजूद रहे। लखनऊ के एसजीपीजीआई में उपचार के दौरान जागृति की मौत के बाद सोमवार शाम 5.30 बजे शव घर पहुंचा था। मंगलवार सुबह सात बजे उनकी अंतिम यात्रा दारागंज श्मशान घाट के लिए शुरू हुई।

मूलरूप से फूलपुर के वीरकाजी गांव निवासी पवन शुक्ला पिछले डेढ़ दशक से झूंसी के तुलापुर गांव में रह रहे हैं। पवन शुक्ला अलोपीबाग स्थित सिंधु विद्या मंदिर स्कूल में वाहन चालक हैं। उनके तीन बच्चों में जागृति सबसे बड़ी थीं। सीएमपी डिग्री कॉलेज से एलएलबी की परीक्षा पास करने के बाद जागृति हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रही थीं। दो भाइयों में इकलौती बहन होने के कारण पूरे परिवार की लाडली थीं। उनका सपना सिविल जज बनकर माता–पिता के सपने को साकार करना था। 20 मई की सुबह हुए हादसे की वजह से जागृति के परिवार के सपने हमेशा के लिए यादों में दफन हो गए।

पिता पवन शुक्ला तो यह कहकर बिलख पड़े कि जिस बिटिया को डोली में विदा करना था, उसके शव को कंधा देना पड़ रहा है। रिश्तेदारों ने उन्हें संभाला। दादा रविंद्र और दादी निर्मला शुक्ला ने भी पोती को भारी मन से विदा किया। दारागंज श्मशान घाट पर हाईकोर्ट बार के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह, महासचिव अखिलेश शर्मा, उपाध्यक्ष अमित सिंह सोनू, राय साहब यादव, रवि श्रीवास्तव, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, आलोक मिश्र, राज सिंह आदि मौजूद रहे। सुरक्षा के लिहाज से एसीपी झूंसी कुंजलता के साथ ही कई थानों की पुलिस फोर्स दारागंज श्मशान घाट पर मौजूद रही।

पीडीए आरक्षण घोटाला बुकलेट को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान लखनऊ में जारी की गई पीडीए आरक्षण घोटाला' बुक लेट को मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया।

समाजवादी पार्टी ने बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान लखनऊ में जारी की गई पीडीए आरक्षण घोटाला' बुक लेट को मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में आरक्षण नियमों की अनदेखी कर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकारों का हनन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को बूथ स्तर तक पहुंचाकर जनता के बीच व्यापक अभियान चलाया जाएगा और सरकार को बेनकाब किया जाएगा।

सपा एम एलसी डॉ मानसिंह यादव नेताओं ने कहा कि पार्टी की ओर से तैयार की गई बुक लेट में प्रदेश के 22 विभागों में 11,514 पदों पर हुई भर्तियों का विवरण संकलित किया गया है। 69000 शिक्षक भर्ती, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी भर्ती, कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती, अमीन भर्ती, वन एवं वन्य जीव रक्षक भर्ती, एडेड जूनियर हाई स्कूल भर्ती, लेखपाल भर्ती, सहायक चकबंदी अधिकारी भर्ती, पशु चिकित्सक भर्ती, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी भर्ती, अधिशासी अधिकारी भर्ती, लखीमपुर सहकारी समिति आदि सहित कुल 22 भर्तियों का उल्लेख किया।

जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण आरक्षण व्यवस्था कमजोर हुई है और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता का अभाव देखने को मिला है। यमुनापार अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद ने कहा कि संबंधित भर्तियों की स्वतंत्र जांच करानी चाहिए। महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन ने कहा कि सरकार आपसी भाई चारे को खत्म करके देश में नफरत का माहौल बना देना चाहती है।

विधायक हाकिम लाल बिन्द, गीता शास्त्री, पूर्व सांसद धर्म राज पटेल, पूर्व विधायक हाजी मुजतबा सिद्दीकी, हाजी परवेज अहमद, पूर्व जिलाध्यक्ष पंधारी यादव, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अमरनाथ सिंह मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी इस विषय को गांव–गांव और बूथ–स्तर तक लेकर जाएगी। सपा प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने दावा किया कि पीडीए समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर महानगर महसचिव रविन्द्र यादव, जगदीश यादव, राम अवध पाल, जय सिंह यादव एडवोकेट, सचिन श्रीवास्तव, देवीलाल यादव, राजेश सरोज, महेन्द्र सरोज, मकबूल अहमद आदि उपस्थित रहे।

ध्वस्तीकरण पर नाराज हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब, पूछा- पूर्व आदेशों का पालन क्यों नहीं किया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम अमहन माफी निवासी श्याम धर यादव की याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम अमहन माफी निवासी श्याम धर यादव की याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि किन परिस्थितियों में संबंधित भूमि के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। साथ ही न्यायालय के पूर्व आदेशों का पालन क्यों नहीं किया। मामले की अगली सुनवाई 19 जून को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान और न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत शुक्ल की खंडपीठ ने दिया है। याची श्याम धर यादव ने अपनी याचिका में बताया कि भूमि पहले याची के नाम पर दर्ज थी। तहसील पुनर्गठन के बाद पहले उसे बंजर और बाद में सड़क के रूप में दर्ज कर दिया गया। आरोप है कि बाद में उक्त भूमि पर निर्माण कराया। याची ने वर्ष 1992 में संबंधित मामले में दीवानी वाद दायर किया था। इसमें न्यायालय की ओर से कई आदेश पारित किए गए। लेकिन, उनका अनुपालन नहीं किया गया। याची ने एसडीएम, तहसीलदार और नाजिर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने, परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और 10 अप्रैल 2026 के न्यायालयी आदेश और 28 मार्च 2026 के बेदखली आदेश के अनुसार भूमि वापस दिए जाने की मांग की है।

रेलवे के वकीलों की फीस में बंपर बढ़ोतरी, कई मदों में 60 फीसदी तक इजाफा

प्रयागराज। रेलवे बोर्ड ने अपने पैनल के वकीलों की फीस और भत्तों में 20 से 60 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। नई दरें एक फरवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी और इनके क्रियान्वयन के आदेश जारी कर दिए गए हैं। रेलवे बोर्ड ने अपने पैनल के वकीलों की फीस और भत्तों में 20 से 60 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। नई दरें एक फरवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी और इनके क्रियान्वयन के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

संशोधित व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट में ग्रुप ए के अधिवक्ताओं को नियमित अपीलों की अंतिम सुनवाई के लिए अब 16 हजार रुपये के स्थान पर 21,600 रुपये प्रतिदिन फीस मिलेगी। वहीं हाईकोर्ट और केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण में वरिष्ठ अधिवक्ताओं की प्रभावी सुनवाई फीस 9 हजार रुपये से बढ़ाकर 14,400 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है। सामान्य पैनल अधिवक्ताओं को भी राहत देते हुए उनकी फीस 3,000 रुपये से बढ़ाकर 3,600 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है। जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत अधिवक्ताओं की मासिक रिटेनरशिप फीस 6,000 रुपये से बढ़ाकर 9,600 रुपये कर दी गई है।

इसके अलावा प्रभावी सुनवाई की फीस 1,800 रुपये से बढ़ाकर 2,880 रुपये तथा ड्राफ्टिंग फीस 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,400 रुपये कर दी गई है। मध्यस्थता मामलों में वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अब प्रति सुनवाई 3,600 रुपये फीस मिलेगी। इसके साथ ही यात्रा, होटल और क्लर्क व्यय की सीमा भी सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप बढ़ा दी गई है। रेलवे बोर्ड के विधि सलाहकार एमसी प्रूस्ती द्वारा एक जून को जारी आदेश के अनुसार संशोधित दरें एक फरवरी 2026 से लागू मानी जाएंगी। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि नए आदेश को अमल में ला दिया गया है।

डॉक्टरों की हड़ताल जारी, बिना इलाज लौटे तीन हजार मरीज

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के जूनियर रेजिडेंट डॉ. मोसिन अली का मंगलवार को दूसरे दिन भी पता नहीं चला। इससे जूनियर डॉक्टरों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। परिणाम स्वरूप नाराज जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल जारी रखी। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ा। करीब तीन हजार मरीज बिना इलाज के लौटा दिए गए। इमरजेंसी सेवाएं भी ठप रहीं। गंभीर मरीजों को भी भर्ती नहीं किया गया। नाराज जूनियर रेजिडेंट ने मंगलवार सुबह ही ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर, यूजेज चार्जेज व ओपीडी ब्लॉक में ताला जड़ दिया था। पीएमएसएसवाई बिल्डिंग की जगह ट्रॉमा सेंटर के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। ट्रॉमा सेंटर से लेकर अस्पताल के कोने–कोने पर बड़ी संख्या में पुलिस बल व मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सुरक्षा कर्मी तैनात रहे। डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर के बाहर पुलिस–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

इस दौरान ट्रॉमा सेंटर के ईएमओ रूम में प्राचार्य डॉ. एके वर्मा मौजूद रहे। उन्होंने मरीजों के हित को देखते हुए पीएमएसएसवाई बिल्डिंग व पुरानी बिल्डिंग के ओपीडी ब्लॉक में मेडिसिन के कंसल्टेंट को बैठने के लिए कहा। प्राचार्य ने फॉलोअप के मरीजों को देखने का निर्देश दिया। मगर जेआर की नाराजगी के आगे थोड़ी देर में ही उन्हें ओपीडी से उठना पड़ गया। ऐसे में इक्का–दुक्का मरीज ही देखे गए। ऐसे में मरीजों का दबाव मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (कॉल्विन), तेज बहादुर सप्रू अस्पताल (बेली) व छावनी सामान्य अस्पताल में देखने को मिला। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. निपेंद्र ने बताया कि झांसी, मेरठ व लखनऊ मेडिकल कॉलेज के जेआर भी उनकी मांग में शामिल हो गए हैं। कई अन्य मेडिकल कॉलेज के जेआर से बात चल रही है। घर से उठाकर ले जाएगे डॉक्टर का पता नहीं चलता है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल हड़ताल जारी रहेगी। यदि हम सुरक्षित नहीं हैं तो काम कैसे कर पाएंगे।

पीड़ा के आंसुओं से भी नहीं पिघले डॉक्टर

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों की नाराजगी का आलम ये रहा कि वार्डों में भर्ती मरीजों को भी जबरन बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इनमें से कई मरीजों की हालत बेहद गंभीर थी। वे दर्द से तड़पते रहे। उनकी पीड़ा आंसुओं में बह निकली लेकिन डॉक्टरों का दिल नहीं पसीजा। तीमारदारों के सामने संकट ये आया कि गंभीर मरीज को अचानक कहां लेकर जाएं। उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा था।

डॉक्टरों ने ओपीडी पहले ही बंद करा दी थी। प्रयागराज के अलावा भदोही, जौनपुर, मछली शहर, मीरजापुर, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, कौशाम्बी व मध्य प्रदेश के रीवा से बड़ी संख्या में मरीज एसआरएन अस्पताल पहुंचे थे। मरीजों को पता चला कि हड़ताल है तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

वे पूछते रहे भइया हड़ताल कब खत्म होगी?, क्या डॉक्टर साहब नहीं देखेंगे ? कहां जाएं कुछ समझ में नहीं आ रहा...? मरीजों के इन सवालों का जवाब किसी के पास नहीं था। इस भीषण गर्मी में दूर–दराज से आए कई मरीज अगले दिन दिखाने की उम्मीद में अस्पताल परिसर और बाहर फुटपाथ पर ठिकाना खोजकर बैठ गए। लालगंज निवासी मजदूर रामधनी का 17 वर्षीय इकलौता बेटा न्यूरो सर्जरी वार्ड में भर्ती था। उसके सिर का ऑपरेशन हुआ है। अभी होश भी नहीं आया लेकिन हड़ताल के कारण उसका डिस्चार्ज कार्ड बना दिया गया। आंखों में आंसू लिए पिता गुहार लगाता रहा कि उसके पास जेब में एक रुपया नहीं है। इलाज के लिए जमीन तक बेच दी है। यहां से लेकर कहां जाएं? डॉक्टरों ने उसकी पीड़ा नहीं सुनी।

सात ओटी में नहीं हुई एक भी सर्जरी

एसआरएन अस्पताल की सात ओटी में मंगलवार को एक भी सर्जरी नहीं हुई। इनमें आर्थोपेडिक, ईएनटी, ट्रॉमा, कैथलैब, प्लास्टिक सर्जरी सहित अन्य ओटी शामिल हैं। स्त्री रोग विभाग में सुबह 11 बजे के बाद गर्भवतियों को दवा देकर लौटा दिया गया।

तीमारदारों की पीड़ा

मेरी 13 महीने की बेटी आराध्या की पीठ का ऑपरेशन 25 मई को हुआ है। अभी वह पूरी तरह से ठीक नहीं है। डॉक्टर दवा देकर घर जाने के लिए कह दिया है। –अजय कुमार, फूलपुर

मेरे भाई शिव का एक्सीडेंट हुआ है। चेहरे पर गंभीर चोटें हैं। छह जून को भर्ती कराया था। आठ जून को चेहरे का ऑपरेशन होना था लेकिन हड़ताल की वजह से नहीं हुआ। अब डिस्चार्ज करने के लिए कह रहे हैं। –शैलेष, कोरांव

मेरी बहन शबनूर के लिवर में समस्या है। वह कुछ खा–पी नहीं पा रही हैं। अब अस्पताल से जाने के लिए कह रहे हैं। ताजरीन, नैनी गंजिया

मेरी बहन ममता को 24 मई को प्रसव के लिए यहां लाया गया था। बच्चा पेट में मर गया। बहन का लिवर व फेफड़ा भी कमजोर है। उसे होश भी नहीं है। डॉक्टर कहीं और ले जाने के लिए कह रहे हैं। –अजय पटेल, सोरांव

संक्षिप्त

वेतन कटौती को लेकर सफाई कर्मचारियों का जोरदार हंगामा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के चिनहट क्षेत्र में एलएसए कंपनी के सफाई कर्मचारियों ने वेतन कटौती और नौकरी से निकालने की कथित धमकी के विरोध में जमकर हंगामा किया। कर्मचारियों ने कंपनी के सुपरवाइजर अविनाश राजपूत पर तानाशाही रवैया अपनाने और वेतन से दो हजार रुपये काटने का आरोप लगाया। बुधवार को गोमती नगर स्थित दयाल चौराहे के पास कंपनी के कार्यालय पर बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी पहुंच गए और कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों का आरोप था कि बिना किसी स्पष्ट कारण के उनके वेतन से 2000 की कटौती की गई है। साथ ही विरोध करने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कर्मचारी झाड़ू लेकर सड़क पर उतर आए और दयाल पैराडाइज के पास विकासखंड इलाके में सड़क जाम कर दी। सड़क जाम होने से यातायात प्रभावित रहा और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कर्मचारियों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वेतन कटौती वापस लेने की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी शिकायत सुनी। पुलिस ने मामले के समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारी कर्मचारी शांत हुए और सड़क जाम समाप्त कर दिया। एलएसए कंपनी के प्रोजेक्ट हेड अभय रंजन ने बताया कि दो सफाई कर्मचारियों के बीच विवाद हुआ था। इसी को लेकर स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। उन्होंने कहा कि मामले को समझाकर शांत करा दिया गया है और फिलहाल स्थिति सामान्य है।

सिपाही भर्ती परीक्षा के आखिरी दिन रीजनिंग ने किया परेशान,दो छात्रों के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा आज बुधवार को तीसरा और अंतिम दिन है। पहली पाली की परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने बताया कि पेपर अच्छा रहा, लेकिन टफ भी था। हालांकि रीजनिंग के कुछ सवाल कठिन थे। जिसके चलते परेशानी हुई। राजधानी के 55 केंद्रों पर दो पालियों में 45,312 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इससे पहले दो दिनों में करीब 29 फीसदी अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए 1626 पुलिसकर्मियों के साथ सीसीटीवी और कंट्रोल रूम से निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही दूसरे दिन लखनऊ में परीक्षा को लेकर भ्रामक वीडियो प्रसारित करने पर हुसैनगंज थाने में 2 मुकदमे दर्ज किए गए। वहीं एक टीचर को ड्यूटी से हटा दिया गया। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक थी। दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। दोनों पालियों में 22,656–22,656 अभ्यर्थी शामिल होंगे। तीन दिनों में कुल 1,35,936 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा आयोजित की जा रही है।

एडीएम कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं पहुंची पुलिस, 90 साल पुराने स्कूल का ताला नहीं खुला

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के नरही स्थित करीब 90 साल पुराने विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल को लेकर चल रहे विवाद में एडीएम (नगर पूर्वी) कोर्ट के आदेश के बावजूद बुधवार को स्कूल का ताला नहीं खुल सका। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) द्वारा एसीपी को पत्र भेजे जाने के बाद भी हजरतगंज थाने की पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों को भीषण गर्मी में घंटों स्कूल के बाहर इंतजार करना पड़ा। एडीएम (नगर पूर्वी) की अदालत ने 8 जून को पारित अंतरिम आदेश में नरही स्थित विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल का ताला खुलवाने और विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित कराने के निर्देश दिए थे। अदालत ने अपने पूर्व आदेश में संशोधन करते हुए छात्रों के हित को देखते हुए विद्यालय को तत्काल प्रभाव से संचालित कराने पर जोर दिया। कोर्ट के आदेश के अनुपालन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक ने मंगलवार को संबंधित एसीपी को पत्र भेजा, लेकिन इसके बावजूद स्थानीय पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इससे कोर्ट के आदेश के पालन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। विद्यालय का ताला नहीं खुलने के कारण शिक्षक, छात्राएं और उनके अभिभावक घंटों तक भीषण गर्मी में स्कूल परिसर के बाहर इंतजार करते रहे। अभिभावकों का कहना है कि प्रशासन और पुलिस के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब स्कूल परिसर का कब्जा दिलाने का मामला सामने आया था, तब पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन अब एडीएम कोर्ट के नए आदेश के बाद स्कूल खुलवाने में लेटलतीफी की जा रही है। बताया जा रहा है कि कब्जा दिलाने के बाद स्कूल परिसर के अंदर तोड़फोड़ की गई थी, जिसमें कंप्यूटर और शिक्षा से जुड़ी अन्य सामग्री क्षतिग्रस्त हो गई थी। इससे स्कूल के संचालन पर भी असर पड़ा है। नरही स्थित विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल एक पुराना शैक्षणिक संस्थान है और इसे लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। एडीएम कोर्ट के ताजा आदेश के बावजूद स्थानीय पुलिस के मौके पर नहीं पहुंचने से मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

मोदी के 12 साल पूरे, राजधानी के मंदिरों में अनुष्ठान

लखनऊ (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को 12 साल पूरे हो गए हैं। वह देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं। इस मौके पर लखनऊ भाजपा नेता मंदिरों में विशेष पूजा–अर्चना कर रहे हैं। शहर के 8 मंदिरों में अनुष्ठान हुए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी लखनऊ के हनुमान सेतु मंदिर पहुंचकर पूजा–अर्चना कर मोदी की लंबी उम्र की कामना की। प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक किया। राज्यसभा सांसद बृजलाल इमली बांध बाबा मंदिर पहुंचे। पीएम मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी नेतृत्व की कामना की। वहीं, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दिल्ली के शुभ विनायक मंदिर में पीएम के अच्छे स्वास्थ और दीर्घायु रहने के लिए विशेष अनुष्ठान किया। दिल्ली के शुभ सिद्धि विनायक मंदिर में भी प्रधानमंत्री के दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए विशेष पूजा–अर्चना की गई। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के अलावा इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, मयूर विहार के जिला अध्यक्ष विजेंद्र धामा, मंडल अध्यक्ष रोहित मल्होत्रा, मंडल महामंत्री धर्मेंद्र धामा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा लखनऊ महानगर की ओर से प्रधानमंत्री के 12 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर शहर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में स्थित मंदिरों में विशेष पूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. नीरज सिंह और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की मौजूदगी में पूजा–अर्चना हुई।

भयहरणनाथ धाम में दूसरे दिन भागवत कथा में बही भक्ति की रसधार

सच्चा ज्ञान और वैराग्य ही सांसारिक दुखों से मुक्ति दिला सकते हैं: पं. विजय कांत जी महाराज

पूर्व अध्यक्ष अरविंद नारायण त्रिपाठी जी ने किया व्यास पूजन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन श्री भयहरणनाथ धाम में अधिकमास के अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के द्वितीय दिवस पर भक्ति रसधारा प्रवाहित हुई। कथा व्यास भागवत भूषण पं. विजय कांत तिवारी जी महाराज ने कथा की शुरुआत राजा परीक्षित के जन्म व उनके द्वारा अनजाने में किए गए अपराध के वर्णन से की। महाराज जी ने भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के महत्व को समझाते हुए बताया कि कैसे शुकदेव जी महाराज का आगमन होता है।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया की दूसरे दिन कथा का शुभारम्भ भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं बयोवृद्ध पूर्व प्राचार्य अरविंद नारायण त्रिपाठी जी द्वारा श्री भागवत व व्यास जी का पूजन कर किया गया। श्री मद भागवत कथा 9 जून से 15 जून तक धाम परिसर में प्रतिदिन सांय 4रू30 बजे से 8रू30 बजे तक आयोजित है। जिसका विधिवत शुभारंभ महासचिव समाज शेखर द्वारा पत्नी प्रीति समाज संग पूजन कर प्रारम्भ किया गया. संस्थान विगत 26 वर्षों से धाम की सेवा व संरक्षण में निरन्तर लगा हुआ है।

कथा मर्मज्ञ पं. विजय कांत जी महाराज ने राजा परीक्षित के अपराध और श्राप की व्याख्या करते हुए बताया कि राजा परीक्षित को आखेट के दौरान प्यास लगने पर आश्रम में ध्यानमग्न ऋषि के गले में मरा हुआ सांप डाल दिया। इस पर ऋषि के पुत्र ने क्रोधित होकर उन्हें सातवें दिन तक्षक नाग द्वारा डसे जाने का श्राप दे दिया। महाराज जी ने ज्ञान और वैराग्य की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि श्राप के बाद राजा परीक्षित ने मोह–माया त्याग दी और गंगा तट पर प्रायश्चित के लिए बैठ गए। कथा बताती है कि सच्चा ज्ञान और वैराग्य ही सांसारिक दुखों से मुक्ति दिला सकते हैं।

कथा व्यास पं. विजय कांत जी महाराज ने शुकदेव जी के आगमन की चर्चा करते हुए बताया कि गंगा तट पर पहुंचे ज्ञानियों में सबसे विलक्षण व्यास नंदन श्शुकदेव जीश का आगमन होता है।

शुकदेव जी बाल रूप में थे और उनका तेज सभी को आलोकित कर रहा था। महाराज जी ने परीक्षित–शुकदेव संवाद का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि राजा परीक्षित शुकदेव जी से मोक्ष का मार्ग पूछते हैं। यहीं से भागवत कथा की मूलधारा प्रारंभ होती है, जो मनुष्य को सांसारिक मोह त्यागकर प्रभु के चरणों में समर्पित होना सिखाती है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से संयोजक द्वय संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र,कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज, अवधेश मिश्र, सच्चिदानंद पांडेय, शत्रुघन सिंह, गोपी नाथ द्विवेदी, राम मूर्ति, अनिल अग्रहरि, मदन लाल मौर्य, राजेंद्र पटेल राजकुमार शुक्ला, देवी मिश्र,गोपी दुबे, श्याम किशोर मिश्र , नंद कुमार शुक्ल हरिशंकर मिश्र व्यंकटेश विहारी,प्रेम चंद्र मल्हू प्रधान व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम,आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फंदे से लटकता मिला किसान का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के बीकामऊ खुर्द गांव में एक किसान का शव आम के पेड़ से लटकता मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक के परिजनों ने रिश्तेदारी के तीन लोगों पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस आत्महत्या और हत्या दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 5 बजे सूचना मिली कि बीकामऊ खुर्द गांव में एक शख्स ने फंदा लगाकर सुसाइड कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में मृतक की पहचान कुलदीप सिंह (45) निवासी बीकामऊ खुर्द के रूप में हुई। उनका शव घर के निकट स्थित खेत में आम के पेड़ से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।कहीं मृतक के पिता नरेन्द्र बहादुर सिंह ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि मंगलवार रात उनके पुत्र कुलदीप के साथ उनके बहनोई के पुत्र राजकिशोर, रामेन्द्र और लक्कू ने जमीनी विवाद को लेकर मारपीट की थी। उनका आरोप है कि मारपीट के बाद कुलदीप की हत्या कर दी गई और घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पेड़ से लटका दिया गया। पुलिस का कहना है कि पिता की तहरीर के आधार पर सभी तथ्यों की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर वैधानिक कार्रवाई में जुटी है। मृतक के पिता नरेन्द्र बहादुर सिंह का आरोप है कि मंगलवार रात कुलदीप सिंह के साथ

तीन लोगों ने मारपीट की थी। उनका कहना है कि मारपीट के बाद बेटे की हत्या कर शव को आम के पेड़ पर लटका दिया गया। परिजनों ने मामले में निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया शव फंदे से लटका मिला है, लेकिन परिजनों द्वारा हत्या की आशंका जताए जाने के बाद मामले की हर कोण से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्य और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। कुलदीप सिंह की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह अपने पीछे पत्नी, दो बेटियों और एक बेटे को छोड़ गए हैं। घटना के बाद से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के अनुसार कुलदीप परिवार के मुख्य सहारा थे। उनकी असमय मौत से परिवार के सामने भावनात्मक और आर्थिक दोनों तरह का संकट खड़ा हो गया है।

केजीएमयू में मरीजों का निजी लैब एजेंट ले रहे सैंपल

यूरोलॉजी विभाग में प्राइवेट पैथोलॉजी के एजेंट एक्टिव, डॉक्टरों से मिलीभगत

लखनऊ (संवाददाता)। KGMU के यूरोलॉजी विभाग में वॉर्ड में भर्ती मरीज का निजी पैथोलॉजी के एजेंट द्वारा सैंपल लेने का वीडियो सामने आया है। इसमें निजी पैथोलॉजी के एजेंट खुलेआम वार्ड में पहुंचकर भर्ती मरीजों के खून के नमूने ले रहा हैं। हैरानी की बात यह है कि रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग ऑफिसर, टेक्नीशियन और अन्य कर्मचारियों की मौजूदगी के बावजूद इन्हें रोकने वाला कोई नहीं है।

मरीजों और तीमारदारों का आरोप है कि निजी पैथोलॉजी के कर्मचारी वार्ड में भर्ती मरीजों से सीधे संपर्क कर जांच के लिए सैंपल ले रहे हैं। इसके बाद रिपोर्ट भी मरीज के बेड तक पहुंचाई जा रही है। रिपोर्ट देखने के बाद ही डॉक्टर मरीजों को आगे की दवाएं लिख रहे हैं। इससे अस्पताल की जांच व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

कई सामान्य जांचों के लिए भी मरीजों से निजी पैथोलॉजी में अधिक पैसे वसूले जा रहे हैं। सीबीसी जैसी सामान्य जांच के लिए करीब 350 रुपये तक लिए जाने के आरोप हैं। जबकि सरकारी संस्थान में ऐसी जांचें कम खर्च या निशुल्क व्यवस्था के तहत उपलब्ध होती हैं। मरीजों का कहना है कि जो लोग निजी जांच कराने में असमर्थता जताते हैं, उन्हें इलाज में परेशानी का सामना करना पड़ता है। आरोप यह भी हैं कि डॉक्टरों और निजी पैथोलॉजी संचालकों के बीच मिलीभगत के चलते यह व्यवस्था चल रही है।

यूरोलॉजी विभाग में लचर व्यवस्था मरीजों की सेहत पर भारी पड़ रही है। निजी मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदने के लिए मरीजों को मजबूर किया जा रहा है। विभाग में जिम्मेदार कर्मचारियों और अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं दिख रहा है। मरीजों का कहना है कि निजी जांच के लिए उन्हें अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।

कुमुदिनी कहते जिसको

(कुण्डलिया)

नदी झील अरु ताल में,देख जगह माकूल।
चाँद–रौशनी में खिले, हैं जलजीवी फूल।
हैं जलजीवी फूल, कुमुदनी कहते जिसको।
जिसके प्यारे रंग, मोहते हैं यह जग को।
सुन लो कहें प्रदीप,सुगन्धित जग को करके।
खिलते हैं ये फूल, नदी झील अरु ताल में।।

पानी के ऊपर सदा, रहता जिसका पात।
जलचर की वह छाँव बन, जग में है विख्यात।
जग में है विख्यात, कुमुदनी जिसको कहते।
औषधि गुण के साथ, ईश का प्रिय बन रहते।
सुन लो कहें प्रदीप, सुनो बस इसकी बानी।
पंखुरियों का रंग,खिले जब पाएँ पानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भागवत कथा में गोवर्धन पूजा के साथ हुए छप्पन भोग के दर्शन

बलदेव। श्री दाऊजी कोल्ड स्टोरेज पर अधिक मास के चलते हो रही श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन कथा व्यास कपिलदेवाचार्य ने अपने श्रीमुख से गोवर्धन पूजा की दिव्य कथा विस्तार पूर्वक सुनाई। जिसे सुनकर श्रद्धालु भक्त भाव विभोर हो गए। कथा व्यास ने बाल कृष्ण की अनेकों बाल लीलाओं का वर्णन

करने के पश्चात गोवर्धन पूजा एवं इन्द्र के मान मर्दन की दिव्य कथा विस्तार से सुनाई। इस अवसर पर भगवान गिरिराज जी महाराज के समक्ष सुंदर छप्पन भोग के दर्शन कराये गये। उन्होंने यह भी बताया कि जहां सत्य एवं भक्ति का समन्वय होता है, वहां भगवान का आगमन अवश्य होता है। मैं तो गोवर्धन कूं जाऊं मेरे वीर नाय मानै मेरो मनुवा, श्री गोवर्धन महाराज–महाराज तिहारे माथे मुकुट विराज रयौ मनमोहक भजनों पर भक्त झूमने एवं नृत्य करने को विवश हो गए। अन्त में आरती के पश्चात सभी को छप्पन भोग का दिव्य प्रसाद वितरित कराया गया। इस अवसर पर बलभद्र पीठाधीश्वर आचार्य विष्णु महाराज ने भी प्रवचन किये।

इस अवसर पर परीक्षित यतेंद्र पांडेय, रंजना शर्मा, श्री राधा कृष्ण सेवा मंडल के अध्यक्ष राकेश गोयल, अनीता गोयल, तुषार गोयल, नारायण गोयल,चेयरमैन डॉ.मुरारी लाल अग्रवाल,सुजीत वर्मा,मनीष बंसल,विष्णु बौहरे, ललित शाह, दिवाकर स्वरूप शर्मा, प्रेमवीर सिंह चौधरी, रंधीर सिंह, ओमप्रकाश, मदन पांडेय वैद्य,हरिओम अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

यूपी पंचायत चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी, मतदाताओं को दी गई 9 अंकों की विशेष पहचान संख्या

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अंतिम मतदाता सूची बुधवार को जारी कर दी गई है। जिला स्तर पर प्रकाशित की गई इस अंतिम मतदाता सूची में पंचायत मतदाताओं को 9 अंकों का नया विशेष पहचान नंबर दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने दावे–आपत्तियों की पूरी प्रक्रिया के बाद यह अंतिम सूची तैयार की है। इस नई व्यवस्था से मतदाताओं को अपनी पहचान आसानी से साबित करने और चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने में सुविधा मिलेगी। नया 9 अंकीय पहचान नंबर अब पंचायत चुनाव के लिए मतदाताओं का आधिकारिक पहचान पत्र बनेगा। अंतिम मतदाता सूची जारी होने के साथ ही पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। मतदाता अब अपने संबंधित जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर जारी सूची में अपना नाम और नया 9 अंकीय नंबर आसानी से देख और सत्यापित कर सकते हैं।

पीजीआई क्षेत्र से युवती 20 दिन से लापता

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र से 21 मई को लापता हुई 21 वर्षीय युवती का कोई सुराग नहीं लगा है। परिजनों का आरोप है कि युवती को बहला–फुसलाकर ले जाया गया है। उसका धर्मांतरण कराकर उसे सीरिया भेजने की साजिश हो सकती है। इसी मामले को लेकर राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपु ने अपनी टीम के साथ पीजीआई अस्पताल के निदेशक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी को लखनऊ पुलिस आयुक्त का घेराव कर प्रदर्शन करने जा रहे थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया। नर्सिंग एसोसिएशन पहुंचा थाने मंगलवार को युवती के पिता के समर्थन में नर्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी पीजीआई थाने पहुंचे। एसोसिएशन की अध्यक्ष लता सचान, संयुक्त सचिव मनोज वर्मा, महामंत्री विवेक और मंजूलता समेत अन्य सदस्यों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने युवती की जल्द और सकुशल बरामदगी और आरोपी युवक गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि परिवार गहरे तनाव में है। युवती के पिता ने आरोप लगाया है कि इरशाद अली उनकी बेटी को अपने साथ ले गया है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 17/2026 — दिनांक: 05.06.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या: 19266111	ई.एम.डी. (रू.): ₹ 1,30,750/-
विवरण: सप्लाई एंड इंस्टालेशन ऑफ आल आइटम्स मैग्नेट फॉर मॉडिफिकेशन इन फीड पाइप लाइन एंड इक्वल सस्पेंशन लाइन।	
मात्रा: 378 नग	निविदा खुलने की तिथि: 03.07.2026

नोट:- (1) उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1300/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

इंडिया की बैठक से निकली नयी राह

विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस यानी इंडिया की बैठक सोमवार आठ जून को दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें 25 दलों ने हिस्सा लिया। यह बैठक ऐसे वक्त हुई है जब मोदी सरकार अपने सबसे कठिन समय से गुजर रही है और साथ ही राहुल गांधी से बुरी तरह डरी हुई है। राहुल गांधी लगातार जनहित के मुद्दे सरकार के सामने उठा रहे हैं। लोकतंत्र और संविधान के साथ–साथ देश की शिक्षा से लेकर पर्यावरण तक सब कुछ बचाने के लिए आवाज उठा रहे हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी न राहुल गांधी की चेतावनियों को सुन रहे हैं, न जनता के दर्द को। ऐसे में राहुल गांधी ने बीते दिनों यह कहकर तहलका मचा दिया कि मोदी सरकार एक साल के भीतर चली जाएगी। नेता प्रतिपक्ष ने बाकायदा कहा कि उन्हें सरकारी एजेंसियों और संस्थाओं में बैठे लोग ही अपनी परेशानियां और सरकार की गलतियां बता रहे हैं। राहुल गांधी के मुताबिक सारा सिस्टम नरेन्द्र मोदी की पकड़ से बाहर हो चुका है। वैसे भी राहुल गांधी मोदी सरकार और भाजपा के हमलों के बावजूद झुकते या दबते नहीं हैं, तो उन पर शाब्दिक हमले होते ही रहते हैं। इसलिए इंडिया की बैठक से पहले ही दिल्ली के कई गोलचक्करों पर पोस्टर लग गए जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ शरद पवार, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और एम के स्टालिन के बयान लिखे गए थे। ऐसे पोस्टर किसने लगाए यह समझना कठिन नहीं है, क्योंकि राज्य और केंद्र दोनों में भाजपा की सरकार है, एनडीएमसी पर भी उसी का कब्जा है। तो भाजपा की सहमति के बिना राहुल विरोधी पोस्टर नहीं लग सकते। इन पोस्टर्स पर किसी का नाम नहीं लिखा है, लेकिन इनसे यह जरूर जाहिर हो गया कि राहुल गांधी और इंडिया की एकजुटता दोनों से भाजपा डरी हुई है। गौरतलब है कि सोमवार की बैठक से पहले रविवार से ही देश भर के भाजपा नेताओं और मंत्रियों ने इंडिया गठबंधन के खिलाफ बयान देने शुरु कर दिए थे। बिहार में मंत्री संतोष सुमन ने कहा कि सारे दल जल्द ही एनडीए में आ जाएंगे, तो बिहार के ही दूसरे मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि श्इंडियाश गठबंधन में जब तक राहुल गांधी रहेंगे तब तक कभी सफल नहीं हो सकता है। इसलिए विपक्ष के नेताओं को सोचने का वक्त आ गया है कि राहुल गांधी के साथ रहना है या अपने नाव को बचाना है। वहीं बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने इंडिया को स्वार्थ का गठबंधन कहा, तो उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दो साल पहले ही इंडिया को टूटा हुआ बता दिया और कहा कि लोग अब तीसरे विकल्प की तलाश में हैं। ऐसे ढेरों बयान भाजपा नेताओं के हैं, जो किसी भी तरह यह साबित करने पर तुले थे कि इंडिया का अस्तित्व है ही नहीं। लेकिन सोमवार को एक बैनर के तले जुटे 25 दलों ने यह बता दिया कि भाजपा को अब और ज्यादा डरने की जरूरत है। दरअसल सोमवार बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर पांच बिंदुओं का उल्लेख किया, जिस पर इंडिया काम करेगा, इनमें पहला मुद्दा है कि देश में वोट लूट को लेकर विपक्षी दल एक चित्रश्री देश के मुख्य न्यायाधीश को लिखेंगे, दूसरा मुद्दा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग है, क्योंकि उनके कार्यकाल में नीट–सीबीएसई परीक्षा को लेकर छात्रों के साथ विश्वासघात हुआ है। तीसरा मुद्दा केंद्र सरकार एक सर्वदलीय बैठक बुलाए और अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी समेत किसानों के मुद्दे पर चर्चा करे। चौथा मुद्दा है कि इंडिया के दल हर दो महीने में मिलेंगे और इंडिया गठबंधन की अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी और 5वां मुद्दा यह तय हुआ कि संसद में सभी दलों के बीच समन्वय जारी रहेगा, आगामी मानसून सत्र के दौरान हर दिन सुबह नेता प्रतिपक्ष के दफ्तर में बैठक होगी। सभी दल इन बिंदुओं पर सहमत हुए हैं। सोमवार की बैठक और इसमें आगे बढ़ने की रणनीति दोनों के जरिए 25 विपक्षी नेताओं ने यह बता दिया है कि देश को विपक्षमुक्त बनाने का भाजपा का सपना पूरा नहीं होने वाला, न ही विपक्ष पिछली बार की तरह बिखरा और कमजोर है। इंडिया गठबंधन की बैठक में डीएमके क्यों नहीं शामिल हुआ, आम आदमी पार्टी ने क्यों किनारा किया, यही सवाल भाजपा समर्थित मीडिया सोमवार को दिन भर उठाता रहा, क्योंकि उसे भी यह दिख रहा था कि विधानसभा चुनावों में आपस में ही लड़ने या कई मुद्दों पर असहमति रखने वाले दल भी एक मंच पर भाजपा के खिलाफ आ रहे हैं। यही भाजपा का सबसे बड़ा डर है। दरअसल अब देश का माहौल बदल रहा है और नरेन्द्र मोदी के गलत फैसलों का खामियाजा भुगतती जनता भी अब आवाज उठाने लगी है। 2016 में नोटबंदी के वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता संभाले दो साल ही हुए थे, इसलिए जनता ने उन पर भरोसा भी किया और नोटबंदी की गड़बड़ी के बावजूद हालात सुधारने के लिए वक्त दिया। फिर 2020 में लगे लॉकडाउन की ज्यादती भी जनता ने सह ली, क्योंकि कोरोना महामारी की चपेट में पूरी दुनिया आई हुई थी। लेकिन इस समय सरकार के फैसलों से जो हाहाकार मचा है, उसका कोई तार्किक कारण नरेन्द्र मोदी नहीं दे पा रहे हैं। उनके बारह सालों के शासन के बावजूद देश से न महंगाई गई, न बेरोजगारी खत्म हुई। बल्कि अब तो रोजाना तेल और गैस के दाम बढ़ाए जा रहे हैं।

अमेरिका-ईरान युद्ध में ट्रंप की अनदेखी कर इजरायल ने तोड़ा संघर्षविराम

असद मिर्जा

मध्य पूर्व की व्यवस्था को पूरी तरह बदलने वाले एक विनाशकारी संघर्ष के ठीक 100 दिन पूरे होने पर, अमेरिका की मध्यस्थता में हुआ एक नाजुक संघर्षविराम उस समय हिंसक रूप से ध्वस्त हो गया जब इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरानी क्षेत्र के भीतर गहराई तक हमले किए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संयम बरतने की स्पष्ट चेतावनियों की सीधी अनदेखी करते हुए, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस क्षेत्र को अनिश्चितता के दौर में धकेल दिया है, जिससे एक बहुप्रतीक्षित शांति समझौता पूरी तरह से अधर में लटक गया है। फारस की खाड़ी में तीखी, असममित नौसैनिक झड़पों की एक श्रृंखला के रूप में शुरू हुआ यह संघर्ष अपने दुखद 100वें दिन (शताब्दी) पर पहुंच गया है। पिछले 100 दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान एक थका देने वाले गतिरोध के युद्ध में उलझे हुए हैं, जिसने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार आधुनिक इतिहास के सबसे गंभीर ऊर्जा संकट को जन्म दिया है। इस संघर्ष के दौरान अमेरिकी नौसेना को अत्यधिक विवादित होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षा देने (एस्कॉर्ट करने) के लिए मजबूर होना पड़ा है, ईरानी सैन्य रडार और ड्रोन ठिकानों पर सीधे अमेरिकी मिसाइल हमले हुए हैं, और इसके बाद पूरे क्षेत्र में पश्चिमी ठिकानों पर ईरान द्वारा जवाबी हमले किए गए हैं– जिसमें कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विनाशकारी ड्रोन और रॉकेट हमला भी शामिल है। फिर भी, ठीक उसी समय जब 8 अप्रैल को हुआ एक नाजुक युद्धविराम एक कूटनीतिक निकास का रास्ता दिखाता हुआ प्रतीत हो रहा था, पिछले 48 घंटों में घटनाओं के एक नाटकीय क्रम ने इस क्षेत्र को एक पूर्ण, अनियंत्रित क्षेत्रीय युद्ध के करीब धकेल दिया है। इस ताजा तनाव के केंद्र में व्हाइट हाउस और यरुशलम के बीच बढ़ता हुआ और पूरी तरह सार्वजनिक हो चुका मतभेद है, जिसने अपने सबसे करीबी मध्य पूर्वी सहयोगी पर अमेरिकी प्रभाव की स्पष्ट सीमाओं को उजागर कर दिया है। लेबनान में बढ़ता तनाव संघर्षविराम के टूटने का तात्कालिक कारण लेबनान में शुरू हुआ, जहां अचानक हुई गोलाबारी ने हफ्तों की संवेदनशील कूटनीति को तेजी से तहस–नहस कर दिया। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह द्वारा उत्तरी इजरायल में रॉकेटों की बौछार किए जाने के बाद, इजरायली वायुसेना ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों को निशाना बनाते हुए एक भीषण जवाबी हवाई हमला किया– जो इस उग्रवादी समूह का एक भारी किलाबंदी वाला गढ़ है। तेहरान ने बेरूत पर हुए इन हमलों को लेबनान की संप्रभु सीमाओं से संबंधित मौजूदा समझौतों का एक घोर उल्लंघन माना। पूर्ण क्षेत्रीय आक्रमण को बढ़ावा दिए बिना अपने दबदबे को फिर से स्थापित करने के लिए सोची–समझी रणनीति के तहत, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने 7 जून को जवाबी कार्रवाई करते हुए उत्तरी इजरायल के रामत डेविड एयरबेस पर लगभग दस बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जो कि ठीक वही ठिकाना था जहां से बेरूत पर हमला करने वाले इजरायली विमानों ने उड़ान भरी थी। सैन्य घटनाओं का यह विशिष्ट क्रम 48 घंटे की अवधि में डरावनी गति से सामने आया। इसकी शुरुआत उत्तरी इजरायल में हिजबुल्लाह के शुरुआती रॉकेट हमले से हुई, जिसने बेरूत में हिजबुल्लाह के गढ़ों पर इजरायल के तत्काल जवाबी हमले को प्रेरित किया। ईरान की मिसाइल प्रतिक्रिया, हालांकि सटीक थी, लेकिन अपने मारक क्षमता के मामले में अपेक्षाकृत नियंत्रित थी, जो नियंत्रित तनाव के दायरे में रहने की तेहरान की इच्छा का संकेत देती थी। हालांकि, इसका राजनीतिक असर तुरंत देखने को मिला। ईरान के शीर्ष वार्ताकार और संसद अध्यक्ष, मोहम्मद बकर कलीबाफ ने सोशल मीडिया पर यह घोषणा की कि ईरान की चल रही अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी, और लेबनान में इजरायली अभियानों के लिए वाशिंगटन की कथित श्हरी झंडीश ने पिछले कूटनीतिक समझौतों को प्रभावी रूप से शून्य कर दिया है। नेतन्याहू ने की ट्रंप की अनदेखी जैसे ही पूरे इजरायल में सायरन गूंजने लगे और क्षेत्र संभावित प्रभाव के लिए तैयार हो गया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण विदेश नीति पहल को बचाने के लिए पर्दे के पीछे सक्रिय हो गए। ट्रंप ने अक्सर दावा किया था कि वाशिंगटन और तेहरान एक अंतिम शांति समझौते के बहुत करीब थे जो आर्थिक छूट के बदले में ईरान के संवर्धित यूरेनियम कार्यक्रम को स्थायी रूप से समाप्त कर देता। बिना किसी रोक–टोक के क्षेत्रीय हिंसा के चक्र से महीनों की गुप्त वार्ताओं के नष्ट होने की आशंका से, ट्रंप ने पत्रकारों से खुलकर बात की और कहा कि इजरायल और ईरान दोनों ने समान रूप से हमलों के आदान–प्रदान के माध्यम से प्रभावी ढंग से अपना काम कर दिया है और अब आगे तनाव बढ़ाना अनावश्यक था। इस कूटनीतिक नाकामी ने दोनों सहयोगियों के गहरे रूप से भिन्न रणनीतिक एजेंडे को उजागर कर दिया। एक तरफ, वाशिंगटन के प्राथमिक उद्देश्य एक बड़ा शांति समझौता सुरक्षित करना, एक पूर्ण क्षेत्रीय युद्ध को रोकना, वैश्विक तेल स्थिरता बनाए रखना, अस्थिर नौसैनिक नाकेबंदी को हटाना और अंततरू क्षेत्रीय पुनर्निर्माण के लिए फ्रीज की गई संपत्तियों का उपयोग करना है। दूसरी तरफ, यरुशलम का अडिग रुख ईरानी परमाणु खतरे को स्थायी रूप से खत्म करने और इजरायल की सीमाओं पर सक्रिय ईरान समर्थित प्रॉक्सी नेटवर्क को पूरी तरह से मिटाने की आवश्यकता से प्रेरित है। इन अस्तित्वगत चिंताओं के कारण, इजरायल तेजी से अमेरिका की मध्यस्थता वाले किसी भी ऐसे संघर्षविराम को खारिज कर रहा है जो इन बुनियादी सुरक्षा खतरों को बरकरार रखता है। इस अवज्ञा से व्हाइट हाउस स्पष्ट रूप से स्तब्ध रह गया और उसने इस पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया कि क्या ये हमले किसी भी स्तर पर अमेरिकी समन्वय के साथ किए गए थे। वित्तीय युद्ध और शांति समझौते का अधर में लटकना जमीन पर सैन्य टकराव के समानांतर ही फ्रीज की गई ईरानी वित्तीय संपत्तियों के भाग्य को लेकर एक भयंकर कूटनीतिक गतिरोध चल रहा है। हमलों के इस ताजा दौर से पहले, ट्रंप प्रशासन ने एक अत्यधिक विवादास्पद कानूनी रणनीति पेश की थी, जिसके तहत 100 दिनों के युद्ध के दौरान आईआरजीसी के ड्रोन हमलों और नौसैनिक आक्रामकता के कारण बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान की भरपाई के लिए खाड़ी सहयोगियों को फ्रीज किए गए अरबों डॉलर के ईरानी विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करने की बात कही गई थी। तेहरान ने इस प्रस्ताव को कड़े शब्दों में खारिज कर दिया है और चेतावनी दी है कि उसके संप्रभु धन को जब्त करने के किसी भी प्रयास को अंतरराष्ट्रीय डकैती माना जाएगा। इसके साथ ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रतिबंधों में राहत देने के क्रम को लेकर अपने रुख को और कड़ा कर लिया है, और स्पष्ट रूप से कहा है कि उनका प्रशासन एक व्यापक, सत्यापित परमाणु और बैलिस्टिक संधि पर पूरी तरह से हस्ताक्षर और अंतिम रूप दिए जाने से पहले ईरानी संपत्तियों का एक भी डॉलर अनफ्रीज नहीं करेगा। यह वित्तीय गतिरोध ईरानी प्रतिरोध अक्ष (तमेपेजंदबम –पे) की दोहरी प्रकृति से बहुत प्रभावित है, जो आर्थिक और सैन्य दोनों मोर्चों पर काम करता है। आर्थिक मोर्चे पर, ईरान नुकसान के लिए संपत्ति की जब्ती को पूरी तरह से खारिज करता है, नौसैनिक नाकेबंदी को पूर्ण और तत्काल हटाने की मांग करता है, और कोई भी रियायत देने से पहले शुरुआत में ही प्रतिबंधों से राहत देने पर जोर देता है। सैन्य मोर्चे पर, इस प्रतिरोध को समान बैलिस्टिक मिसाइल हमलों की प्रतिबद्धता, सभी क्षेत्रीय अमेरिकी सैन्य ठिकानों के खिलाफ सक्रिय खतरों और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुद्री पारगमन गलियारों को बाधित करने की निरंतर क्षमता का समर्थन प्राप्त है। इजरायल के इस ताजा जवाबी हमले के साथ, प्रस्तावित शांति समझौते का पूरा ढांचा पूरी तरह से अधर में लटक गया है। दोहा में पिछले दौर की वार्ताओं के दौरान हुई कूटनीतिक प्रगति प्रभावी रूप से समाप्त हो गई है। कानूनी और रणनीतिक खाई जैसे ही युद्ध अपने दूसरे 100 दिनों में प्रवेश कर रहा है, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक अत्यंत अस्थिर परिदृश्य है। यह संघर्ष अब छद्म युद्धों (चतव–ल पतउपीमे) और स्थानीय नियंत्रण के चरण से आगे निकल चुका हैय यह अब राष्ट्रों के बीच का एक सीधा युद्ध है, जिसकी विशेषता अंतरराष्ट्रीय कानूनी मानदंडों और निवारण (कमजमततमदबम) का पूरी तरह से ध्वस्त होना है। चल रही अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी और इजरायल के एकतरफा एहतियाती हमलों (चतम–मउचजपअम जतपामे) का कानूनी आधार अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञों की बढ़ती जांच का सामना कर रहा है, भले ही दोनों देश संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा के अंतर्निहित अधिकार का दावा करते हों। इस संघर्ष की बुनियादी हकीकत यह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब मध्य पूर्वी सुरक्षा ढांचे का एकमात्र निर्माता नहीं रह गया है। स्पष्ट अमेरिकी चेतावनियों के बावजूद इजरायल स्वतंत्र रूप से ईरानी ठिकानों पर हमला करेगा– यह दिखाकर नेतन्याहू ने इजरायली सुरक्षा नीति को वाशिंगटन के व्यापक भू–राजनीतिक एजेंडे से अलग कर दिया है। जब तक तेहरान अपने क्षेत्रीय अभियानों को रोकने से पहले आर्थिक नाकेबंदी को पूरी तरह से हटाने की मांग करता रहेगा, और इजरायल एक सक्रिय ईरानी परमाणु बुनियादी ढांचे को बर्दाश्त करने से इनकार करता रहेगा, तब तक राष्ट्रपति ट्रंप का परिकल्पित श्बड़ा समझौताश एक दूर का मृगतृष्णा बना रहेगा, जो तेहरान के ऊपर विमान–रोधी तोपों की गूंज में दबा रहेगा।

जनसांख्यिकी परिवर्तन आयोग या हिंदू राज की ओर लंबी छलांग!

राजेंद्र शर्मा

मोदीशाही के इरादों को समझने के लिए, क्रोनोलॉजी समझना कितना जरूरी है, यह अमित शाह खुद अपने मुंह से बता चुके हैं। सो जनसांख्यिकी परिवर्तन आयोग का मकसद समझने के लिए उसके आगे–पीछे की क्रोनोलॉजी से शुरू करना उपयोगी रहेगा। सभी जानते हैं कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपने हिसाब से बड़ी कामयाबी और खासतौर पर प. बंगाल में फतेह का झंडा गाड़ने के फौरन बाद, मई के आखिर में मोदी सरकार ने जनसांख्यिकी परिवर्तन पर उच्च स्तरीय कमेटी के गठन का ऐलान कर दिया। इसकी दिशा में बढ़ने की औपचारिक शुरूआत, 2025 के प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस भाषण से हुई थी। लाल किले से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कथित श्घुसपैठश से देश के लिए भारी खतरा बताते हुए, ऐसे आयोग के गठन के जरूरी होने का ऐलान किया था। इसकी भी एकदम तात्कालिक क्रोनोलॉजी तो यही थी कि 2025 के अप्रैल के आखिर में पहलगाम में आतंकी हमले ने जब जम्मू–कश्मीर में करीब पांच साल से जारी सीधे केंद्रीय शासन में सब कुछ सामान्य हो जाने के झूठे प्रचार की चिंदियां उड़ा दीं, उसके फौरन बाद ध्यान बंटाने के लिए संघ परिवार की ओर से देश के कई हिस्सों में आम तौर पर मुसलमानों और खासतौर पर कश्मीरियों को निशाना बनाया गया था। और पहलगाम के जवाब के नाम पर मई के शुरू में छेड़े गए आपरेशन सिंदूर के अचानक रोके जाने के बाद, जब ध्यान बंटाने की जरूरत और ज्यादा बढ़ी, देश के विभिन्न हिस्सों में और सबसे बढ़कर उत्तरी भारत में कथित बांग्लादेशी घुसपैठियों की पकड़–धकड़ के नाम पर, बांग्लाभाषी मजदूरों के खिलाफ सरकारी अभियान छेड़ दिया गया। इस अभियान में संभवतरू पहली बार, पुलिस–प्रशासन द्वारा श्घुसपैठियाश बताए जा रहे लोगों को, बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के सीमा के विभिन्न हिस्सों से बांग्लादेश में धकेलने की कार्रवाई भी की गयी, जिसमें कुछ मामलों में तो नौकाओं से ले जाकर समुद्र में धकेल आने की कार्रवाई भी शामिल थी। यह सब किस कदर मनमाना था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कम से कम दो मामलों में, उच्च न्यायालयों द्वारा भारतीय नागरिक ठहराए जाने और देश में वापस लाने का आदेश दिए जाने के बाद, एक गर्भवती महिला और एक अन्य बंगाली मुसलमान को बांग्लादेश से वापस भी लाना पड़ा था। यानी यह वह समय है जब मोदीशाही औपचारिक रूप से देश के पैमाने पर कथित घुसपैठिया विरोधी मुहिम छेड़ती है। बेशक, घुसपैठियों का खतरा किसी न किसी रूप में हमेशा से आरएसएस के प्रचार का एक केंद्रीय मुद्दा बना रहा है। बहरहाल, अपने पहले कार्यकाल के आखिर तक आते–आते और खासतौर पर उत्तर प्रदेश समेत उत्तरी भारत के भाजपा–शासित राज्यों में गोरक्षा–लव जेहाद–धर्मांतरण विरोधी कानून–समान नागरिक संहिता आदि की मुस्लिम–विरोधी पुकारों की आजमाइश से, मोदीशाही इस नतीजे पर पहुंच चुकी थी कि आक्रामक मुस्लिमविरोधी पहचान ही उसकी नैया पार लगाएगी। दूसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही, संवैधानिक छल–कपट का सहारा लेकर, पहले आरएसएस की बहुत पुरानी मांग को पूरा करते हुए, जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा ही नहीं राज्य का दर्जा भी खत्म कर, देश के इकलौते मुस्लिम बहुल राज्य को सजा देने के जरिए, राज्य की नजरों में मुसलमानों का ही दर्जा कमतर करने का संदेश दिया गया। और इसके फौरन बाद सीएए लाकर, मुस्लिम और गैर–मुस्लिम अवैध प्रवासियों में अंतर करने जरिए, मुसलमानों के पराया होने के ऐलान को भारतीय नागरिक की परिभाषा में भी रोप दिया गया। अब परिभाषा से ही श्घुसपैठियाश्कृ जिससे कि खतरा थाकृ मुसलमान ही हो सकता था। हिंदू तथा अन्य धर्म के अवैध प्रवासियों के लिए तो भारतीय नागरिकता आसान बनाकर, उनका स्वागत किया जाना था! यहीं से आरएसएस के घुसपैठ के पुराने राग को वर्तमान शासन की विचारधारा के रूप में नयी ऊंचाई पर पहुंचाने की शुरूआत होती है। सीएए के व्यापक जनतांत्रिक विरोध को मोदीशाही अपने दमनतंत्र के सहारे तो पूरी तरह से नहीं कुचल सकी, पर उसका जवाब उसने मुस्लिमविरोधी आक्रामकता बढ़ाने के जरिए दिया। खासतौर पर बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनाव के समय, गृहमंत्री अमित शाह ने न सिर्फ चर्चित तरीके से अपने राज की क्रोनोलॉजी समझायी कि कैसे पहले सीएए से मुसलमानों को नागरिकता अधिकार से परे कर के घुसपैठिया बनाया जाएगा और फिर, हिंदुओं आदि अन्य को नागरिकता दी जाएगी, बल्कि उन्होंने कहा कि घुसपैठिये श्दीमक हैं, उन्हें चुन–चुनकर, एक–एक को निकाल बाहर करेंगे।श बंगाल से ही इस घुसपैठिया राग को संघ–भाजपा के प्रचार की मुख्य थीम बनाने की शुरूआत हुई, जिसे 2024 के आम चुनाव तक आते–आते मोदीशाही ने देश के पैमाने पर प्रचार की अपनी एक मुख्य थीम बना लिया। बेशक, इस आम चुनाव में मोदी खुद खासतौर पर मतदान के शुरूआती चरणों में बिहार, बंगाल, झारखंड में घुसपैठियों के खतरे के राग से शुरूआत करने के बाद, बाजी हाथ से निकलती नजर आने की हताशा में जल्द ही, विरोधी श्मंगलसूत्र छीन लेंगे और ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों (मुसलमानों) के दे देंगेश पर पहुंच गए, जबकि आदित्यनाथ जैसे उनकी पार्टी के अन्य प्रमुख प्रचारक श्बंटोगे तो कटोगेश के अपने नारों के साथ, सीधे मुस्लिमविरोधी नारों से शुरूआत ही कर रहे थे।

अन्नामलाई अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास में!

कल्याणी शंकर

तमिलनाडु में भाजपा के पूर्व प्रमुख के. अन्नामलाई ने इस सप्ताह अपने राजनीतिक भविष्य को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिनमें दिल्ली में शीर्ष भाजपा नेताओं के साथ बैठक और पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा करना शामिल है। इसका उद्देश्य उनकी राजनीतिक छवि को ऊपर उठाना और पाठकों को उनकी बदलती रणनीति के साथ जोड़े रखना है। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, अन्नामलाई की अपनी नई पहल के लिए बड़ी योजनाएं हैं। दिल्ली में प्रमुख भाजपा नेताओं के साथ उनकी बैठकों ने लोगों का ध्यान आकघ्षत किया है, खासकर इसलिए क्योंकि वह अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, विशेष रूप से फिल्म स्टार विजय की हालिया जीत के बाद, जिसने उन्हें नए अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया है। अन्नामलाई इस कदम को अपने सार्वजनिक जीवन का अगला चरण मानते हैं। वह खुद को टी.वी.के. के मुख्य चुनौतीकर्त्ता के रूप में देखा जाना चाहते हैं। अन्नामलाई हमेशा से महत्वाकांक्षी रहे हैं और उन्होंने खुद को सत्ताधारी पार्टी के नेता के खिलाफ खड़ा किया है। अन्नामलाई की पृष्ठभूमि मजबूत है, क्योंकि उन्होंने 2011 में भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) ज्वाइन की थी। कर्नाटक पुलिस में उनके काम ने उन्हें सम्मान दिलाया और उनकी सार्वजनिक छवि में सुधार किया। हालांकि, 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवार सूची से उनकी हालिया अनुपस्थिति ने उनके समर्थकों को उनके भविष्य पर सवाल उठाने के लिए मजबूर कर दिया है। जटिल सीट–बंटवारे की व्यवस्था और पार्टी रणनीतियों ने कई लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि वह आगे क्या करेंगे। अन्नामलाई इस बात से नाराज थे कि उन्हें राज्य भाजपा प्रमुख के पद से हटा दिया गया था। तमिलनाडु का राजनीतिक दृश्य बदल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पारंपरिक द्रविड़ मॉडल को नई वास्तविकताओं का सामना करना पड़ा है। अन्नामलाई अपने नए आंदोलन के वैचारिक अग्रदूत के रूप में कलाम को चुनकर राजनीतिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं। कलाम के जीवन और उपलब्धियों को उजागर करके, अन्नामलाई आकांक्षा और एकता का संदेश देना चाहते हैं, जो राज्य के लिए एक नई राजनीतिक शब्दावली पेश कर सकता है। 2018 में, मानसरोवर की एक महत्वपूर्ण यात्रा के बाद, उन्होंने राजनीति में अभिनेता रजनीकांत का समर्थन करने के लिए पुलिस अधिकारी के रूप में अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, एक साल के अवलोकन के बाद, उन्होंने पाया कि रजनीकांत राजनीति में प्रवेश करने के बारे में अनिश्चित थे। भाजपा ने अक्सर खुद को तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के बाद दूसरे स्थान पर देखा है। अन्नामलाई एक साहसिक नया दृष्टिकोण अपनाना चाहते थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से द्रमुक की शासन व्यवस्था और भ्रष्टाचार के लिए आलोचना की। उन्होंने अन्नाद्रमुक को प्रोत्साहित किया कि वह भाजपा के साथ गठबंधन करे, न कि इसके विपरीत। उन्होंने अन्नाद्रमुक प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ई. पलानीस्वामी को नाराज कर दिया, जिन्होंने जोर देकर कहा कि वह 2024 के चुनावों से पहले अन्नामलाई के साथ कोई व्यवहार नहीं करना चाहते थे। भाजपा ने उन्हें नैनार नागेंद्रन से बदल दिया। अन्नामलाई का नेतृत्व आक्रामक, एकल राजनीति की शैली द्वारा परिभाषित था। उनके नेतृत्व में, राज्य भाजपा एक छोटी पार्टी से, जो अन्नाद्रमुक पर निर्भर थी, एक मजबूत तीसरी ताकत में बदल गई। उन्होंने 'एन मान, एन मक्कल' (मेरी मिट्टी, मेरे लोग) पदयात्रा जैसे हाई–प्रोफाइल अभियानों का नेतृत्व किया, जो सभी 234 निर्वाचन क्षेत्रों तक पहुंचे। परिणामस्वरूप, पार्टी का वोट शेयर 2019 में सिर्फ 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 11 प्रतिशत से अधिक हो गया। अन्नामलाई ने सत्ताधारी द्रमुक पर रोज हमले शुरू किए, भ्रष्टाचार के आरोपों को उजागर किया और पेरियारवादी विचारधाराओं को चुनौती दी। इस टकरावपूर्ण दृष्टिकोण ने क्षेत्रीय नेताओं को भाजपा को अधिक गंभीरता से लेने के लिए मजबूर किया लेकिन इसने एन.डी.ए. गठबंधन, विशेष रूप से अन्नाद्रमुक के साथ संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया। राष्ट्रीय पार्टी छोडने के बाद, अन्नामलाई ने तमिलनाडु में एक नया राजनीतिक आख्यान तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें द्रमुक और अन्नाद्रमुक से स्वतंत्र युवा, ईमानदार नेताओं के विकास पर जोर दिया गया। जब से नैनार नागेंद्रन राज्य अध्यक्ष बने हैं, अन्नामलाई ज्यादातर सुर्खियों से दूर रहे हैं। अन्नामलाई, जो पहले 2021 के विधानसभा चुनावों में द्रमुक के आर. इलांगो से हार गए थे, ने 2026 में विजय की राजनीतिक शुरुआत के बारे में मजबूत भविष्यवाणियां कीं और कहा, ''विजय अच्छा प्रदर्शन करेंगे... वह युवा मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को आकघ्षत करेंगे और दहाई अंकों में हिस्सेदारी हासिल करेंगे।'' अप्रैल 2025 में राज्य अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद, अन्नामलाई के भविष्य को लेकर अटकलें बढ़ गईं। कई लोगों ने सोचा कि वह एक राष्ट्रीय या मजबूत राज्य–स्तरीय भूमिका निभाएंगे। हालांकि, ये उम्मीदें तब धूमिल हो गईं जब आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवार सूची की घोषणा की गई। अब जब अन्नामलाई ने यह कदम उठा लिया है, तो क्या उनकी पार्टी तमिलनाडु की भीड़भाड़ वाली राजनीति में कुछ जगह बना पाएगी? क्या उनकी 'एकला चलो' रणनीति काम करेगी? वह पार्टी चलाने के लिए वित्त कहां से लाएंगे? क्या उनकी पार्टी अन्य दलों के जाने–पहचाने नेताओं को आकर्षित करेगी? केवल समय ही बताएगा। इस बीच, वह खुद को विजय और द्रमुक के उदयनिधि के विरोधी के रूप में पेश करेंगे।

माधुरी मेरे बाल नोच लेगी ..सुरेश वाडकर ने शादी के लिए माधुरी दीक्षित को किया था रिजेक्ट, सालों बाद अब खुद बताई सच्चाई

आज भी माधुरी दीक्षित का क्रेज उतना ही है जितना पहले था। अपने समय से लेकर आज तक माधुरी दीक्षित ने इंडस्ट्री को बहुत ही हिट फिल्में दी हैं। इसके अलावा माधुरी ने न सिर्फ दशकों के दिलों पर राज किया है बल्कि कई सितारों को अपना दीवाना बनाया है। इसी में बॉलीवुड के जाने–माने गायक सुरेश वाडकर भी उनमें से एक हैं, जो माधुरी के बड़े प्रशंसकों में गिने जाते हैं। खबरों के मुताबिक सुरेश को एक समय पर शादी के लिए माधुरी दीक्षित का प्रपोजल भी मिला था लेकिन सुरेश ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया था। अब हाल ही में इस मामले पर सुरेश वाडकर ने इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और सारा सच बताया है। खबरों और रिपोर्ट्स के अनुसार 80 के दशक में एक बार सुरेश को माधुरी दीक्षित का रिश्ता आया था लेकिन सुरेश ने सिर्फ यह कहकर माधुरी को रिजेक्ट कर दिया क्योंकि वे बहुत दुबली–पतली थीं। इसी को लेकर एक इंटरव्यू के दौरान सुरेश ने इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी और उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि "हे भगवान, वो माधुरी वाली अफवाह! माधुरी तो मेरी इतनी अच्छी दोस्त हैं कि अगर कभी कुछ गलतफहमी फैली तो वो मेरे अंदर की सारी नेचुरल चीजें भी नोच लेगी।" उन्होंने आगे साफ किया कि वह इंडस्ट्री की बहुत अच्छी दोस्त हैं और उन्हें बहुत पसंद भी करते हैं। इसी के साथ सुरेश ने बहुत ही मजाकिया अंदाज में अर्चना पूरन सिंह पर इल्जाम लगाते हुए कहा कि यह शरारत पक्का अचना पूरन का ह। आग उन्हान कहा की अर्चना बहुत अच्छी है और मेरी बहन जैसी हैं। हर इंटरव्यू के दौरान जब भी उनसे ये सवाल पूछा जाता है तो सुरेश हर बार ही अर्चना पूर्ण सिंह को इसका जिम्मेदार ठहराते हैं।

> “ खबरों और रिपोर्ट्स के अनुसार ८० के दशक में एक बार सुरेश को माधुरी दीक्षित का रिश्ता आया था लेकिन सुरेश ने सिर्फ यह कहकर माधुरी को रिजेक्ट कर दिया क्योंकि वे बहुत दुबली-पतली थीं।

सिर्फ 18 दिन की डेटिंग के बाद की शादी, फिर टूटा सपना, पति ने उठाया इस एक्ट्रेस पर हाथ

ईवा ग्रोवर ने हाल ही में बड़ा चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे प्यार और शादी के सपनों के बीच उन्होंने जल्दबाजी में फैसला लिया और बाद में उन्हें एक दर्दनाक शादी का सामना करना पड़ा। ईवा ने बताया कि उन्होंने अपने एक्स हसबैंड हैदर अली खान को सिर्फ 18 दिनों तक डेट किया था। इतने कम समय में उन्होंने शादी का फैसला ले लिया। उन्होंने कहा, '18 दिन में आप किसी इंसान को पूरी तरह नहीं जान सकते। शायद गलती सिर्फ उनकी नहीं, मेरी भी थी क्योंकि मैंने बहुत जल्दी फैसला ले लिया। उन्होंने मुझे प्रपोज किया। इसके बाद मैंने अपनी मां या किसी की कोई बात नहीं सुनी और उनके साथ चली गई। वो मेरे करियर का शुरुआती दौर था। हम दोनों अलग धर्मों से आते थे। इसके बावजूद 19वें दिन मैं उनके साथ चली गई और हमने शादी कर ली। शादी के बाद ईवा को धीरे–धीरे एहसास हुआ कि जिनसे उन्होंने शादी की है, वह वैसे नहीं हैं जैसा उन्होंने सोचा था। उन्होंने बताया कि उनके पति को बहुत ज्यादा गुस्सा आता था और उनका व्यवहार काफी आक्रामक था। ईवा ने यह भी स्वीकार किया कि उनके साथ शारीरिक हिंसा भी हुई। ईवा ने कहा, 'हां, वह हिंसक थे। मैं किसी खास दिन के बारे में बात नहीं करना चाहती, लेकिन उन्होंने मुझ पर हाथ उठाया है। ईवा ने बताया कि शादी के चार साल बाद उन्होंने रिश्ते को बचाने के लिए बच्चा करने का फैसला लिया, लेकिन इससे कुछ नहीं बदला। उन्होंने कहा, 'बेटी के जन्म के एक महीने बाद ही मैं पूरी तरह टूट चुकी थी। तब मैंने फैसला लिया कि अब और नहीं सह सकती।' उसी दौरान वह टीवी शो 'वक्त बताएगा कौन अपना कौन पराया' में काम कर रही थीं। उनके साथ काम करने वाले लोगों ने भी उनका साथ दिया और उन्हें इस रिश्ते से बाहर निकलने के लिए हिम्मत दी। ईवा ने बताया कि जब उन्होंने अपनी मां से बात की, तो उनकी मां ने उन्हें खुले दिल से अपना लिया। उन्होंने आमिर खान के पिता ताहिर हुसैन को भी याद किया और कहा कि वह बहुत अच्छे इंसान थे, जो उन्हें समझाने की कोशिश करते थे और उनकी हालत देखकर भावुक हो जाते थे।

लॉक अप की वापसी का ऐलान, 27 जून से नेटफ्लिक्स पर शुरू होगा हाई–वोल्टेज रियलिटी ड्रामा

रियलिटी शो प्रेमियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर रहस्यमयी मुखौटा पहने कैदियों की तस्वीरें और वीडियो चर्चा का विषय बने हुए थे। शहरों में नजर आए इन अनोखे किरदारों को लेकर तरह–तरह के कयास लगाए जा रहे थे। अब आखिरकार इस सस्पेंस से पर्दा उठ गया है और नेटफ्लिक्स ने आधिकारिक रूप से लॉक अप के प्रीमियर की घोषणा कर दी है। नेटफ्लिक्स ने पुष्टि की है कि लोकप्रिय रियलिटी शो लॉक अप 27 जून से स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होगा। इस शो को एकता कपूर के बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से प्रस्तुत किया जा रहा है। शो में देश की कई चर्चित और विवादित हस्तियों को एक ही छत के नीचे बंद कर दर्शकों के लिए मनोरंजन और ड्रामा का नया दौर शुरू किया जाएगा। आधिकारिक घोषणा से पहले शो को लेकर जबरदस्त माहौल बनाया गया था। अलग–अलग शहरों में मुखौटा पहने लोगों को कैदी के रूप में देखा गया, जिससे सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर तेज हो गया। लोग लगातार यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि आखिर इन किरदारों के पीछे कौन है और यह सब किस प्रोजेक्ट का हिस्सा है। शो के प्रमोशन के तहत एक अनोखा आउटडोर कैंपेन भी देखने को मिला। शहर के एक प्रमुख इलाके में लगाए गए विशाल बिलबोर्ड ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस बिलबोर्ड में ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो कुछ लोग जेल की सलाखों के पीछे कैद हों। इस अनोखी प्रस्तुति ने राहगीरों को रुककर देखने पर मजबूर कर दिया। बिलबोर्ड और रहस्यमयी कैदियों की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गई थीं। सोशल मीडिया यूजर्स लगातार अंदाजा लगा रहे थे कि आखिर यह प्रचार किस शो या फिल्म से जुड़ा है। कई तरह की थ्योरी सामने आईं, लेकिन किसी को भी असली सच का अंदाजा नहीं था। सस्पेंस खत्म होने के बाद अब दर्शकों की निगाहें शो के प्रीमियर पर टिक गई हैं। श्लॉक अपश के नए सीजन में कौन–कौन से चर्चित चेहरे नजर आएंगे, यह जानने के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मेकर्स भी आने वाले दिनों में कंटेस्टेंट्स और शो से जुड़े कई बड़े खुलासे कर सकते हैं। लॉक अप अपनी अनोखी थीम और हाई–वोल्टेज ड्रामे के लिए जाना जाता है। ऐसे में नए सीजन से भी दर्शकों को भरपूर मनोरंजन की उम्मीद है। शो में कैदियों की जिंदगी, उनके बीच होने वाले टकराव और कई चौंकाने वाले खुलासे इसे और दिलचस्प बनाने वाले हैं। दर्शक इस बहुप्रतीक्षित शो को 27 जून से केवल नेटफ्लिक्स पर देख सकेंगे। शो की घोषणा के साथ ही सोशल मीडिया पर उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है और अब हर कोई यह जानने के लिए उत्सुक है कि इस बार श्लॉक अपश में कौन–कौन शामिल होने वाला है। रहस्य, रणनीति, विवाद और मनोरंजन से भरपूर श्लॉक अपश एक बार फिर दर्शकों को बांधे रखने के लिए तैयार है। अब जबकि शो की तारीख सामने आ चुकी है, फैंस के बीच काउंटडाउन शुरू हो गया है और सभी को 27 जून का इंतजार है।

भीड़ से घिरीं श्रद्धा कपूर, ऐसे संभाला मामलाय कहा– 'थोड़ा पीछे जाइए'

आमतौर पर हंसते–मुस्कुराते नजर आने वाली श्रद्धा इस बार थोड़ी परेशान दिखीं, जब फोटोग्राफर्स ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल, श्रद्धा अपनी कार तक पहुंचीं, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा थी कि वह ठीक से कार का दरवाजा भी नहीं खोल पा रही थीं। इस स्थिति में वह थोड़ी असहज जरूर लगीं, लेकिन उन्होंने इस मामले को शांति से संभाला। श्रद्धा ने बड़े ही शांत और विनम्र तरीके से पैपराजी से कहा, 'आप लोगों को थोड़ा पीछे जाना पड़ेगा, ये खुल नहीं रहा है।' उनके इस शांत रवैये की सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है। थोड़ी देर बाद जब फोटोग्राफर्स पीछे हटे, तब श्रद्धा आराम से कार में बैठ पाईं। इस पूरे दौरान उन्होंने अपना व्यवहार बहुत ही सुलझा हुआ रखा। श्रद्धा कपूर जल्द ही फिल्म 'ईथा' में नजर आने वाली हैं, जिसे लक्ष्मण उटेकर डायरेक्ट कर रहे हैं और दिनेश विजन प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में श्रद्धा पहली बार रणदीप हुड्डा के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। साथ ही मोहम्मद जीशान अय्यूब भी इसमें अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म में श्रद्धा, मशहूर लोक कलाकार विठाबाई का किरदार निभाएंगी, जो महाराष्ट्र की लावणी और तमाशा कला के लिए जानी जाती थीं। यह फिल्म रक्षा बंधन के मौके पर, यानी 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

51 की उम्र में भी सिंगल रहना पसंद करती हैं अमीषा पटेल, खुद बताई शादी न करने की वजह

अमीषा पटेल हिंदी सिनेमा की एक जानी–मानी और ग्लैमरस एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्मों के जरिए दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। बावजूद इसके, 51 साल की उम्र में भी उन्होंने शादी नहीं है, इस बार इस बात को लेकर आए दिन लोग उनसे सवाल करते हैं। इन्ही सब सवालों का जवाब देने के लिए एक बार अमीषा ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने शादी क्यों नहीं की। साल 2000 में कहो ना प्यार है से अमीषा ने अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री को बहुत ही हिट फिल्में दींउन्होंने अपने शानदार अभिनय और ग्लैमरस अंदाज से बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है। एक्ट्रेस 9 जून को अपना 51वां जन्मदिन मनाने वाली हैं। आज भी वो उतनी ही खूबसूरत हैं, जितनी वो पहले थीं। अमीषा की उम्र 51 वर्ष की है लेकिन आज तक उन्होंने शादी नहीं की है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने शादी न करने की वजह भी बताई थी। अमीषा पटेल ने कहा मुझे नहीं अभी तक ऐसा इंसान मुझे मिला जो मेरे दिमाग में टिक करता है। मै जैसी हूँ, वैसे ही बनकर खुश हू। उन्होंने कहा था कि वह अपनी जिंदगी से पूरी तरह खुश हैं और उन्हें किसी साथी की कमी महसूस नहीं होती। उनका कहना था कि वह अपने काम में इतनी व्यस्त रहती हैं कि रिश्तों के लिए उनके पास ज्यादा समय या जगह ही नहीं बचती। इसके बाद उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया था कि आज तक मुझे जितने भी लोग हैं वो चाहते थे कि मैं शादी के बाद काम न करू और घर पर बैठी रहूं।

गर्मियों में खुद को ठंडा रखना है तो घर पर बनाएं हेल्दी लेमन राइस

गर्मा के मौसम में हम आपने शरीर को अंदर से ठंडा रखने के लिए आइसक्रीम या नींबू पानी पीते है। अगर आपका कुछ हल्का खाने का मन कर रहा है तो आप एक बार लेमन राइस की रेसिपी ट्राई कर सकते है। यह दक्षिण भारत का लोकप्रिय व्यंजन है जो सिर्फ 5 मिनट में बनकर तैयार हो जाता है। तो चलिए चानते है इसके बारे में।

सामग्री

पके हुए चावल– 2 कप
राई – 2 चम्मच
लाल सूखे मिर्च – 2
मूंगफली के दाने– 10–15
उड़द दाल – 1 चम्मच
चना दाल – 1 चम्मच
कड़ी पत्ते – 8 से 10
नीबू – 1
हल्दी पाउडर –1 चम्मच
नमक – स्वादानुसार

बनाने की विधि

1 एक पैन में तेल गर्म करें और इसमें मूंगफली के दाने और राई डालें।

2 इसके बाद उड़द की दाल, लाल मिर्च, कड़ी पत्ते व हल्दी पाउडर डाल दें।

3 स्वाद देने के लिए मसालों में नींबू डालकर इसे मिक्स करें।

4 इसके बाद इसमें चावल डालकर हल्के फ्राई करें।

5 कुछ ही मिनट में तैयार हो जाएंगे लेमन राइस।

बाथरूम से जुड़ी इन बातों को बिल्कुल न करें नजरअंदाज, वरना बाद में पछताएंगे

घर के वास्थ्तु को भूलकर भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। क्योंकि इसका सीधा प्रभाव आपके जीवन पर पड़ता है। घर का पूजा घर, किचन के अलावा बाथरूम बहुत महत्वपूर्ण भाग होता है। क्योंकि यह एक ऐसी जगह है जहां सबसे ज्यादा नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है। जिसके प्रभाव से व्यक्ति को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। क्या आपने कभी सोचा है कि बाथरूम में हमारे द्वारा की गई छोटी मोटी गलतियां बड़े वास्तु दोष का कारण बन सकती हैं अगर नहीं तो चलिए जानते है उनके बारे में।

दरवाजा हमेशा रखें बंद

घर में बाथरूम जाने के बाद ध्यान रहे उसका दरवाजा खुला ना छोड़ें। क्योंकि बाथरूम का दरवाजा रखने से इसकी बदबू घर के अन्य कमरों में आती है साथ में ये ढेर सारी नकारात्मक उर्जा लेकर प्रवेश करती है। जिसका बुरा प्रभाव घर के सदस्यों के ऊपर देखने मिलता है।

सफाई का रखें ध्यान

बाथरूम में साफ सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखें। इसके अंदर की बदबू को खत्म करने के लिए रूम फरफ्यूम या अन्य

सुगंधित चीजों का उपयोग करना चाहिए। इससे अंदर कम से कम नेगेटिव एनर्जी शेष रहेगी।

बाहर निकालें हवा

कोशिश करें कि अपने बाथरूम में एक एक्जोस्ट फैन जरूर लगाए। इस फैन से बाथरूम के अंदर की बदबू बाहर निकल जाएगी।

इस दिशा में बनाए शौचालय

यदि आप नए घर का निर्माण कर रहे हैं तो घर की पूर्व दिशा में स्नान घर बनाए जबकि दक्षिण दिशा में शौचालय बनाए।

नल न टपके

बाथरूम और स्नानघर में यदि कोई नल ठीक से बंद नहीं होता हैं और लगातार टपकता रहता हैं तो इसे तुरंत बदल दें। ये अशुभ होता हैं और हानिकारक भी साबित होता है।

कमरे में न बनाएं बाथरूम

कई लोग ऐसे भी होते है जो प्राइवेसी के चलते बाथरूम बेडरूम से अटैज बनवा लेते हैं जो कि वास्तु शास्त्र के अनुसार हानिकारक है। इससे वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता हैं।

आइना न रखें

वास्तु शास्त्र का कहना है कि बाथरूम में अगर आप कोई भी आइना लगाते है या रखते है तो उसे फौरन हटा दें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो इसके परिणाम उल्टे होंगे।

सिर्फ अच्छे नंबर नहीं अच्छी आदतें भी बच्चे को बनाती है सफल, क्या आपने सिखाएं ये बातें ?

बच्चे माता–पिता का पहला फर्ज होते हैं ऐसे में सभी पेरेंट्स यही चाहते हैं कि उन्हें एक उज्जवल भविष्य मिले। उज्जवल भविष्य के लिए बच्चों की दिनचर्या में अच्छी आदतें जोड़ना बहुत ही आवश्यक है। खासकर कुछ आदतें हैं ऐसी होती हैं जो बच्चों को एक अच्छा इंसान बनाने में मदद करती हैं। जैसे अपनी शरीर का ध्यान रखना, सफाई पर ध्यान देना, शाम को सोते समय हल्का खाना खाना इससे बच्चे शुगर, बीपी, स्ट्रेस जैसी बीमारियों से दूर रहते हैं। बच्चे स्वभाव से ही भोले–भाले होते हैं उन्हें जो भी चीजें पेरेंट्स सिखाएं वह उसे मान लेते हैं यदि पेरेंट्स घर में बार–बार चिल्लाते हैं तो बच्चों को भी यही आदत लग जाती है। आज आपको कुछ ऐसी बातें बतातें हैं जो आपके बच्चों को एक उज्जवल भविष्य देने में मदद करेंगी। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

सबसे पहले रखें स्वास्थ्य का ध्यान

अच्छे भविष्य के लिए बच्चे की अच्छी सेहत होना जरुरी है। यदि बच्चा फिट और फाइन होगा तो वह हर चीज पर अच्छे से फोकस कर पाएगा। यदि बच्चा अपने शरीर पर ध्यान देता है तो यह आदत उसकी पूरी उम्र काम आएगी।

सही समय पर सुलाना और जगाना

अर्ली टू बेड और अर्ली टू राइज यह लाइन तो आपने कई बार सुनी ही होगी लेकिन इस पर अमल कर पाना थोड़ा मुश्किल है। खासकर यदि बच्चे रात में जल्दी सोकर सुबह जल्दी उठते हैं तो वह एकदम फिट और फाइन रहते हैं। हालांकि जब बच्चे स्कूल जाना शुरु कर दें तो माता–पिता का यह फर्ज बनता है कि वह उन्हें समय पर सुलाएं और उनकी नींद का पूरा ध्यान रखें। वहीं एक्सपर्ट्स के अनुसार, उम्र के मुताबिक ही बच्चों को पूरी नींद लेनी चाहिए जैसे 1–2 साल के बच्चे को 11–15 घंटे, 3–5 साल के बच्चे को 10–14 घंटे, 6–13 साल के बच्चे को 9–12 घंटे, 14–17 साल के बच्चों को 8–11 घंटे की नींद जरुरी होती है।

अच्छी डाइट देना

आजकल बच्चे ज्यादातर फास्ट फूड और जंक फूड खाना ही पसंद करते हैं लेकिन उनकी फिट बॉडी के लिए अच्छी डाइट मुख्य रुप से जरुरी है। खासकर बच्चों को आप खाना खिलाने के बाद ही 40–45 मिनट बाद पानी–पीने की आदत डालें। बेड पर खाना खाना सही नहीं माना जाता यदि आप बच्चों को नीचे जमीन पर बिठाकर खाना नहीं खिला सकते तो आप उन्हें डाइनिंग टेबल पर बिठाकर खाना खिला सकते हैं। इसके अलावा बच्चों को लंच या डिनर करवाने से पहले 5–10 सैकेंड के लिए ईश्वर को याद करने की आदत डालें इससे बच्चे नेगेटिविटी से दूर होकर खाना खा सकेंगे। टीवी या मोबाइल देखते हुए बच्चे को खाना खाने की आदत न डालें। इससे खाना उनके शरीर को नहीं लगेगा। वहीं यदि इसी चक्कर में यदि वह खाना खा लेते हैं और मोटापे का भी शिकार हो सकते हैं। ऐसे में उन्हें खाना खाते समय गेजेट्स से दूर ही रखें।

सलाद और फल खिलाना

बच्चों की फिट बॉडी के लिए उन्हें सलाद और फल खाने की आदत जरुर डालें। लंच से पहले आप उन्हें एक फल खिला सकते हैं। यदि बचपन से ही बच्चों को फल और सलाद की आदत लगेगी तो वह आगे स्वस्थ रह पाएंगे। इसके अलावा उनके शरीर में विटामिन्स और मिनरल्स की भी कमी नहीं रहेगी। फाइबर की भरपूर मात्रा बच्चों को मिलने से उनका पेट लंबे समय तक स्वस्थ रहेगा। घर में मौसमी फल या सलाद जैसे गाजर, खीरा, चुकंदर उन्हें खिला सकते हैं। फल या सलाद बच्चों को देते समय आप इस बात का ध्यान रखें कि यह मौसमी हों और सलाद भी कोल्ड स्टोरेज वाला न हो।

रात को दें हल्का खाना

एक्सपर्ट्स का मानना है कि रात को हमेशा हल्का ही खाना खाना चाहिए। ऐसे में बच्चों को यह आदत डालना जरुर है। खासकर ओवरईटिंग की समस्या इस तरह ही पैदा हो रही है। इससे बचने के लिए आप बच्चों को सूर्यास्त तक खाना खिला दें। यदि सूर्यास्त तक खाना न खिला पाएं तो 7–8 बजे तक भी आप बच्चों को खाना खिला सकते हैं। इससे उनका वजन भी कंट्रोल में रहेगा और वह खाना अच्छे से पचा भी पाएंगे। हल्का और लो कैलोरी वाला फूड्स ही बच्चे को दें। पर्याप्त मात्रा में बच्चों को पानी की आदत और हैल्दी ड्रिंक आप उन्हें पिलाएं। इसके अलावा सुबह अदरक, काली मिर्च, तुलसी, सौंफ, इलायची डालकर ड्रिंक तैयार करके आप बच्चों को इसका आधा गिलास दे सकते हैं।

चिप्स, कोल्ड ड्रिंक से रखें दूर

बच्चों को चिप्स, कुरकुरे, नमकीन खाने की आदत होती है और बच्चों के जिद्दी स्वभाव के कारण कई बार पेरेंट्स को भी उन्हें यह सब चीजें देनी पड़ती हैं। महीने में आप एक बार यह चीजें बच्चों को दे सकते हैं लेकिन ज्यादा खाने से उन्हें समस्या हो सकती है। इन सब चीजों की जगह आप बच्चों को फल, सलाद, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स खिलाने की आदत डाल सकते हैं।

हाइजीन रहने की डालें आदत

गंदे बैक्टीरिया और घर में गंदगी मौजूद होने के कारण भी कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा शरीर साफ न रखना, साफ कपड़े न पहनना, नाखून साफ न करना जैसी आदतें भी उन्हें बीमारियों का शिकार बनासकती हैं। यदि बाल साफ न किए जाएं तो यह झड़ने लगते हैं वहीं यदि स्किन साफ रखने से स्किन से जुड़ी बीमारी की आशंका भी रहती है। साफ–सुथरा रहना, अच्छे से दांत साफ करना, समय–समय पर हाथ धोते रहना, नाखून साफ करना जैसी आदतें सिखाकर आप बच्चों को हैल्दी रख सकते हैं।

पढ़ाई के अलावा एक्स्ट्रा एक्टिविटीज करना

वैसे तो पढ़ाई सबसे जरुरी है लेकिन इसके अलावा भी बच्चे को एक्स्ट्रा एक्टिविटीज जरुर करवाएं। यदि आपके बच्चों को पढ़ाई के अलावा किसी ओर चीज में रुचि है तो उन्हें उसमें काम करने का मौका जरुर दें। इससे बच्चों का ज्यादातर समय उस एक्टिविटी में व्यतीत होगा और वह मोबाइल और सोशल मीडिया से दूर रह पाएंगे।

आउटडोर गेम्स खेलने की डालें आदत

बच्चों को बाहर खेलने की आदत डालें इससे उनका विकास अच्छे से होगा और वह करियर में सफलता हासिल कर पाएंगे। वैसे तो सभी बच्चे खेलते हैं लेकिन उन्हें बाहर खेलने की आदत डालें। अगर खेलने की सुविधा न हो तो आप उन्हें साइकिलिंग की आदत जाल सकते हैं इससे भी बच्चे एकदम फिट रहेंगे। अगर बच्चे इंडोर गेम्स खेलना चाहते हैं तो आप उन्हें उसके लिए

भी प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसके अलावा क्रिकेट, स्विमिंग जैसी गेम्स में आप उन्हें डाल सकते हैं। वहीं अगर लड़कियां आउटडोर गेम्स नहीं खेलना चाहती तो वह डांसिंग कर सकती हैं।

सिखाएं अपने पर विश्वास रखना

बच्चों को इस बात की भी आदत डालें कि वह खुद पर भरोसा रखें। अपने दिल की बात दूसरों से करें यदि कोई ऐसी परिस्थिति बनती है कि वह किसी से दिल की बात नहीं कह पाते तो वह

ईश्वर से अपने दिल की बात कर सकते हैं। मेडिटेशन की आदत आप बच्चों को डाल सकते हैं। हर दिन 10–15 मिनट यदि बच्चे इसे करेंगे तो उन्हें अच्छा महसूस होगा। सुबह और शाम की आरती में आप बच्चों को शामिल कर सकते हैं इससे उनके मन में धार्मिक भाव उत्पन्न होंगे।

खुद ढूंढने दे अपनी प्रॉब्लम्स के सॉल्यूशन

बच्चों को अपनी प्रॉब्लम्स का सॉल्यूशन आप खुद ही ढूंढने दें। इससे वह भविष्य में किसी भी तरह के काम को आसानी से कर पाएंगे। हां एक बार इस काम को करने में उन्हें थोड़ी मुश्किल हो सकती है लेकिन धीरे–धीरे वह सीख जाएंगे। यदि बच्चों को जीवन में किसी भी तरह की कोई परेशानी होती है तो वह खुद समस्या का समाधान कर पाएंगे।

जरुर दें जिम्मेदारी

बच्चों को जिम्मेदारी भी जरुर दें। इससे वह भविष्य में जिम्मेदार बन सकेंगे। आप चाहें तो अलमारी या फिर गाड़ी की चाबी उन्हें दे सकते हैं। इसके अलावा यदि आप बच्चे के साथ मार्केट जा रहे हैं तो उन्हें कुछ पैसे रखने के लिए दे सकते हैं। इससे उन्हें जिम्मेदारी का भी पता चलेगा और उनके अंदर चीजों को सेहज कर रखने की आदत भी पड़ेगी।

पेरेंट्स भी अपनाएं ये आदतें

बच्चे पेरेंट्स से चीजें बहुत ही आसानी से सिखते हैं ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे भीड़ से हटकर चलें और आप उन्हें एक उज्जवल भविष्य दे सकें तो इन सभी आदतों को आप खुद भी अपनाएं।

उल्टी के बाद होता है तेज सिर दर्द तो ये है खतरे की घंटी

जी मिचलाना और उल्टी होना आम बात है और ये अक्सर पेट से जुड़ी समस्याओं से जुड़े होते हैं चाहे वह एसिडिटी या फूड पॉइजनिंग की वजह से उल्टी हो या फिर पहाड़ी रास्तों पर तीखे मोड़ों की वजह से मोशन सिकनेस से जी मिचलाना हो। लेकिन कुछ मामलों में, असल कारण दिमाग में भी हो सकता है। जब कोई व्यक्ति चुपचाप किसी न्यूरोलॉजिकल बीमारी से जूझ रहा होता है, तो उसे उल्टी और जी मिचलाने जैसी समस्याएं होती हैं? चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

इस बीमारी के कारण मचलता है जी

हिंदुस्तान टाइम्स में छपे एक आर्टिकल में न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक बिना किसी स्पष्ट कारण के उल्टी और जी मिचलाने की समस्या तब होती है जब कीमोरिसेप्टर ट्रिगर जोन या ब्रेन स्टेम के निचले हिस्से (मेडुला) में मौजूद उल्टी के लिए जिम्मेदार सेंटर बहुत ज्यादा उत्तेजित हो जाते हैं। डॉक्टर ने समझाया कि जब किसी न्यूरोलॉजिकल बीमारी की वजह से दिमाग के कुछ हिस्से बहुत ज्यादा उत्तेजित हो जाते हैं, तो पाचन तंत्र से जुड़ी कोई समस्या न होने पर भी शरीर में जी मिचलाने और उल्टी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

डॉक्टर द्वारा बताए गए कारण इस प्रकार हैं

माइग्रेन के कारण ब्रेनस्टेम रिसेप्टर्स की संवेदनशीलता बढ़ने और गैस्ट्रिक स्टेसिस होने से मतली और उल्टी हो सकती है। बीपीपीवी या मेनियर रोग जैसे आंतरिक कान के विकार संतुलन प्रणाली में संवेदी असंतुलन पैदा करते हैं। इससे चक्कर आना, मतली और उल्टी हो सकती है। मस्तिष्क ट्यूमर या हाइड्रोसेफालस जैसी स्थितियां इंट्राक्रैनियल दबाव बढ़ा सकती हैं, जिससे मतली के बिना उल्टी की प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है। अचानक, विशेष रूप से सुबह के समय, उल्टी निचले ब्रेनस्टेम पर दबाव के कारण हो सकती है। यह मस्तिष्क ट्यूमर का एक महत्वपूर्ण संकेत है।

सिर में सीधी चोट के कारण भी आती है उल्टी

मल्टीपल स्केलेरोसिस और न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका जैसी स्थितियां ब्रेनस्टेम, विशेष रूप से एरिया पोस्ट्रेमा में विशिष्ट घाव पैदा कर सकती हैं। इससे ब्रेनस्टेम रिसेप्टर्स उत्तेजित हो सकते हैं और बार–बार मतली और उल्टी हो सकती है। मस्तिष्क या उसके आवरणों से जुड़े संक्रमण निचले ब्रेनस्टेम के आसपास बेसल मेनिन्जेस को उत्तेजित करके या सीधे निचले मस्तिष्क को प्रभावित करके उल्टी का कारण बन सकते हैं। सिर में सीधी चोट या मस्तिष्क में जलन मतली और उल्टी को ट्रिगर कर सकती है। कुछ मामलों में, ये लक्षण तब भी हो सकते हैं जब रक्तस्राव या संरचनात्मक क्षति का तुरंत पता न चले।

इन लक्षणों पर रखें नजर

अगर जोरदार उल्टी या जी मिचलाने के साथ कुछ गंभीर लक्षण (रेड फ्लैग लक्षण) भी दिखें, तो तुरंत मेडिकल मदद की जरूरत होती है। न्यूरोलॉजिस्ट के बताए अनुसार यहां कुछ ऐसे लक्षण दिए गए हैं जिन पर आपको ध्यान देना चाहिए, अचानक बहुत तेज सिरदर्द, जो ऐसा लग सकता है जैसे आपकी जिंदगी का सबसे बुरा सिरदर्द हो। उलझन या सुस्ती, अचानक संतुलन बिगड़ना, चेहरे का एक तरफ झुकना या लटकना, हाथ या पैर में कमजोरी, बोलने में दिक्कत, धुंधला दिखना या एक चीज का दो दिखना, गर्दन में अकड़न के साथ बुखार, निगलने में दिक्कत (डिस्फेजिया) या 24 घंटे से ज्यादा समय तक तरल पदार्थ न पचा पाना भी है गंभीर लक्षण है। डॉक्टर ने सलाह दी कि सही कारण का पता लगाने के लिए ब्रेन इमेजिंग, ईईजी, लम्बर पंचर और अन्य न्यूरोलॉजिकल टेस्ट करवाए जाएं।

नोटः यह लेख केवल जानकारी के लिए है और पेशेवर चिकित्सा सलाह का विकल्प नहीं है।

संक्षिप्त

नाइटक्लब विवाद में फंसे स्टोक्स, न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर होना लगभग तय

नई दिल्ली,एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए चुनी जाने वाली टीम का हिस्सा नहीं होंगे। अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट द गार्जियन की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 35 साल के स्टोक्स ने हालिया विवाद के बाद अपने भविष्य पर विचार करने के लिए समय और निजी स्थान मांगा है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड अगले 48 घंटों में टीम की घोषणा कर सकता है और इसी के साथ स्टोक्स के अस्थायी रूप से कप्तानी छोड़ने की पुष्टि भी हो सकती है। रविवार रात लॉर्ड्स में पहले टेस्ट में जीत के बाद इंग्लैंड टीम ने जश्न मनाया। खिलाड़ी पहले ड्रेसिंग रूम में और फिर लंदन के व्हाइट हॉर्स पब पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात सारासेन्स रग्बी क्लब के खिलाड़ियों से हुई। रात 11 बजे के बाद कुछ खिलाड़ी चेल्सी स्थित रेक्स रूम्स नाइटक्लब पहुंचे।बताया जा रहा है कि रात करीब एक बजे वहां एक झड़प हुई। यह समय इंग्लैंड टीम के लिए निर्धारित कर्फ्यू से एक घंटा बाद का था। मामले में स्टोक्स, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन, ईसीबी सुरक्षा दल के एक सदस्य और सारासेन्स अकादमी खिलाड़ी टोटोआ औवा का नाम सामने आया है। हालांकि रिपोर्ट्स में कहा गया है कि स्टोक्स और एटकिंसन सीधे तौर पर लड़ाई में शामिल नहीं थे। घटना में सुरक्षा दल का एक सदस्य घायल हुआ, लेकिन पुलिस को नहीं बुलाया गया और किसी आपराधिक मामले की संभावना नहीं जताई जा रही है। ईसीबी, स्वतंत्र क्रिकेट नियामक और सारासेन्स क्लब अलग-अलग स्तर पर जांच कर रहे हैं। बोर्ड चाहता है कि महिला विश्व कप शुरू होने से पहले स्थिति को नियंत्रित किया जाए। हालांकि जांच पूरी होने में कई सप्ताह लग सकते हैं। बोर्ड फिलहाल इसे टीम प्रोटोकॉल के उल्लंघन के रूप में देख रहा है। एटकिंसन के भी दूसरे टेस्ट में नहीं खेलने की संभावना है। उनकी अनुपस्थिति को औपचारिक निलंबन के बजाय मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के कदम के रूप में पेश किया जा सकता है। इंग्लैंड क्रिकेट पिछले कुछ महीनों से टीम संस्कृति और खिलाड़ियों के व्यवहार को लेकर आलोचना झेल रहा है। एशेज में हार के अलावा कई विवाद सामने आए हैं, जिनमें शराब के दुरुपयोग और अनुशासनहीनता की चर्चाएं शामिल रही हैं। पहले टेस्ट से पहले मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने खिलाड़ियों को चेतावनी देते हुए कहा था, मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि आधी रात के बाद कभी कुछ अच्छा नहीं होता। ऐसी कोई हरकत मत करो जो अगले दिन अखबारों की सुर्खियां बन जाए। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गावर ने स्टोक्स के भविष्य को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने बीबीसी से कहा, श्कप्तान की जिम्मेदारी सही माहौल बनाना और उदाहरण पेश करना होती है। यदि आपने कर्फ्यू मानने पर सहमति दी है तो उसका पालन भी करना चाहिए।श उन्होंने आगे कहा, मुझे बेन स्टोक्स और उनके कप्तानी कार्यकाल का काफी सम्मान है। वह इस टीम के बेहद महत्वपूर्ण नेता रहे हैं। मुझे यकीन है कि खुद को इस स्थिति में देखकर वह बेहद निराश होंगे। स्टोक्स और एटकिंसन दोनों के पास सितंबर 2027 तक ईसीबी के केंद्रीय अनुबंध हैं। हालांकि बोर्ड फिलहाल अनुबंध समाप्त करने जैसे किसी कठोर कदम पर विचार नहीं कर रहा है। इसके बावजूद यह विवाद स्टोक्स की कप्तानी और इंग्लैंड टीम के नेतृत्व ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। अब सबकी नजर ईसीबी की अगली घोषणा और जांच के निष्कर्षों पर टिकी हुई है।

क्या छह फीट पांच इंच लंबे इस रग्बी प्लेयर से हुई स्टोक्स की लड़ाई? बवाल की यह है कहानी

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन इन दिनों एक नाइटक्लब विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 115 रन की शानदार जीत के बाद दोनों खिलाड़ी जश्न मनाने निकले थे, लेकिन देर रात हुई एक घटना ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (म्ब्ठ) की चिंता बढ़ा दी है। मामले की जांच जारी है और ऐसी अटकलें हैं कि दोनों खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर भी किया जा सकता है। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विवाद में जिस रग्बी खिलाड़ी का नाम सामने आया है, वह 21 वर्षीय टोटोआ औवा हैं। औवा इंग्लैंड के प्रतिष्ठित रग्बी क्लब सारासेन्स की अकादमी का हिस्सा हैं। उनकी लंबाई छह फीट पांच इंच (लगभग 196 सेंटीमीटर) और वजन करीब 125 किलोग्राम बताया गया है। हालांकि उन्होंने अभी तक सारासेन्स की सीनियर टीम के लिए डेब्यू नहीं किया है, लेकिन अपनी शारीरिक ताकत के कारण वह चर्चा में रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लॉर्ड्स टेस्ट जीतने के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ी जश्न मनाने के लिए लंदन के एक नाइटक्लब पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वहीं किसी बात को लेकर विवाद हुआ। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि टोटोआ औवा ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों की ओर मुक्का चलाया, लेकिन वह खिलाड़ियों के बजाय सुरक्षा कर्मी को लग गया। सुरक्षा कर्मी को चोट आई और उसे टांके लगाने पड़े। हालांकि पुलिस को नहीं बुलाया गया और अभी तक किसी भी पक्ष पर आपराधिक आरोप लगाए जाने की संभावना नहीं जताई गई है। हालांकि, यह बात भी सामने नहीं आई है कि, दोनों पक्षों में बहस किस बात को लेकर शुरू हुई। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा था, श्बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार तड़के एक नाइटक्लब में मौजूद थे, जहां एक घटना हुई। हम मामले की पूरी जानकारी जुटा रहे हैं और दूसरे टेस्ट की टीम पर फैसला उचित समय पर लिया जाएगा।

भारत के बाद पाकिस्तान ने भी एशियाई खेलों के लिए टीम की घोषणा की, साहिबजादा को बनाया कप्तान

करांची,एजेंसी। जापान के आइची-नागोया में सितंबर-अक्तूबर में होने वाले एशियाई खेल 2026 के लिए भारत के बाद अब पाकिस्तान ने भी अपनी क्रिकेट टीम का एलान कर दिया है। पाकिस्तान ने भी टी20 प्रारूप के लिए मजबूत स्क्वॉड चुना है, जिससे टूर्नामेंट में एक और हाई-वोल्टेज भारत-पाकिस्तान मुकाबले की उम्मीद बढ़ गई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए साहिबजादा फरहान को कमान सौंपी है। वहीं, अब्दुल समद उपकप्तान बनाए गए हैं। पाकिस्तान ने ऑलराउंडर सलमान अली आगा की जगह सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को कप्तानी सौंपी है। आगा को टीम से बाहर भी कर दिया है। पाकिस्तान भारत की नकल करता दिख रहा है। जिस तरह भारतीय टीम से सूर्यकुमार को हटाकर नया कप्तान चुना गया, ठीक पाकिस्तान भी उसी तरह की नकल कर रहा है। इससे पहले पाकिस्तान ने सलमान के समय कोई उपकप्तान नहीं बनाया था, लेकिन अब जैसे ही भारत ने एक नए खिलाड़ी तिलक वर्मा को उपकप्तान चुना, पीसीबी ने भी एक नए खिलाड़ी अब्दुल समद को उपकप्तान बना दिया। पाकिस्तान की नौटंकी इधर भी जारी है। फरहान टी20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान के सबसे सफल बल्लेबाज रहे थे। विकेटकीपर उस्मान खान भी टीम में शामिल हैं, जिन्होंने हाल के महीनों में प्रभावित किया है। हालांकि पाकिस्तान ने अपने कई बड़े खिलाड़ियों को इस टीम में जगह नहीं दी है। बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और शादाब खान जैसे स्टार खिलाड़ियों को एशियाई खेलों की टीम से बाहर रखा गया है।

साहिबजादा फरहान पहले भी भारत के खिलाफ बयानों और विवादों को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद उनकी एक श्गन सेलिब्रेशनश को लेकर काफी विवाद हुआ था। इसके अलावा उन्होंने एशिया कप 2025 में जसप्रीत बुमराह के खिलाफ लगाए गए छक्कों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी बनाई थी, जिसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ वर्षों में हुए बड़े मुकाबलों में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। एशिया कप 2025 में दोनों टीमों के बीच तीन मुकाबले हुए थे और तीनों में भारत ने जीत दर्ज की थी। उस समय भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे थे और भारत ने खिताब भी अपने नाम किया था। इसके बाद टी20 विश्व कप 2026 में कोलंबो में हुए मुकाबले में भी पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा था।

क्रिकेट 2010, 2014 और 2022 के एशियाई खेलों का हिस्सा रहा है। 2022 संस्करण (जो 2023 में आयोजित हुआ था) में पाकिस्तान चौथे स्थान पर रहा था। टीम ने एक मुकाबला जीता, जबकि दो मैचों में हार झेलनी पड़ी थी। अब जापान में होने वाले एशियाई खेलों में पाकिस्तान उस प्रदर्शन को सुधारना चाहेगा, जबकि भारत स्वर्ण पदक बरकरार रखने के इरादे से उतरेगा। भारतीय चयनकर्ताओं ने एशियाई खेलों के लिए अनुभव और युवा प्रतिभा का शानदार मिश्रण चुना है। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, तिलक वर्मा और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। ऑलराउंड विभाग में अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी टीम को संतुलन देंगे। वहीं गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती जैसे मैच विजेता खिलाड़ी मौजूद हैं। सबसे ज्यादा चर्चा वैभव सूर्यवंशी की हो रही है, जिन्हें भविष्य का बड़ा सितारा माना जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान के स्क्वॉड

पाकिस्तान- साहिबजादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद (उपकप्तान), अबरार अहमद, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अली रजा, अराफात मिन्हास, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साद मसूद, सैम अयूब, सूफियान मोकीम और उस्मान खान।

भारत- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और वैभव सूर्यवंशी।

हार्दिक पांड्या अफगानिस्तान सीरीज से बाहर, कल फिटनेस टेस्ट पास किया था

मुंबई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ताजा चोट के कारण तीन मैचों की पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। पांड्या को बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस आकलन के दौरान क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) में खिंचाव आ गया। हार्दिक हाल ही में आईपीएल के दौरान लगी पीठ की ऐंठन (बैक स्पाज्म) से उबर रहे थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने मंगलवार को बताया था कि रोहित शर्मा के साथ-साथ हार्दिक को सीओई ने खेलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन अब यह बात सामने आ रही है कि फिटनेस टेस्ट के दौरान नई चोट सामने आने से उनकी वापसी टल गई। जानकारी के मुताबिक, हार्दिक ने फिटनेस आकलन के दौरान पूरे 10 ओवर गेंदबाजी की थी। हालांकि, इसी दौरान उनकी क्वाड्रिसेप्स मांसपेशी में खिंचाव आ गया। बताया जा रहा है कि यह चोट इतनी गंभीर है कि उन्हें कम से कम तीन सप्ताह तक रिहैब प्रक्रिया से गुजरना होगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, रिकवरी के लिए लगभग तीन सप्ताह का समय चाहिए। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके खेलने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि तब तक उनका रिहैब पूरा नहीं हो पाएगा। हालांकि, अब यह सामने आने के बाद सवाल खड़े हो रहे हैं। फैंस का कहना है कि जब उन्हें मंगलवार को फिटनेस क्लीयरेंस दी गई, फिर कैसे एक दिन बाद यह बात सामने आई कि वह अब सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे और नई चोट सामने आई। सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि टीम के भीतर कुछ पक रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 14 जून से धर्मशाला में शुरू होगी। इसके बाद दूसरा मुकाबला 17 जून को लखनऊ और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा। हार्दिक के बाहर होने से टीम इंडिया के संतुलन पर असर पड़ सकता है क्योंकि वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पांड्या को हाल ही में भारतीय टी20 टीम से आराम दिया गया था ताकि वह वनडे क्रिकेट पर अधिक ध्यान दे सकें। चयन समिति और टीम प्रबंधन की नजर 2027 वनडे विश्व कप पर है और हार्दिक को उस योजना का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

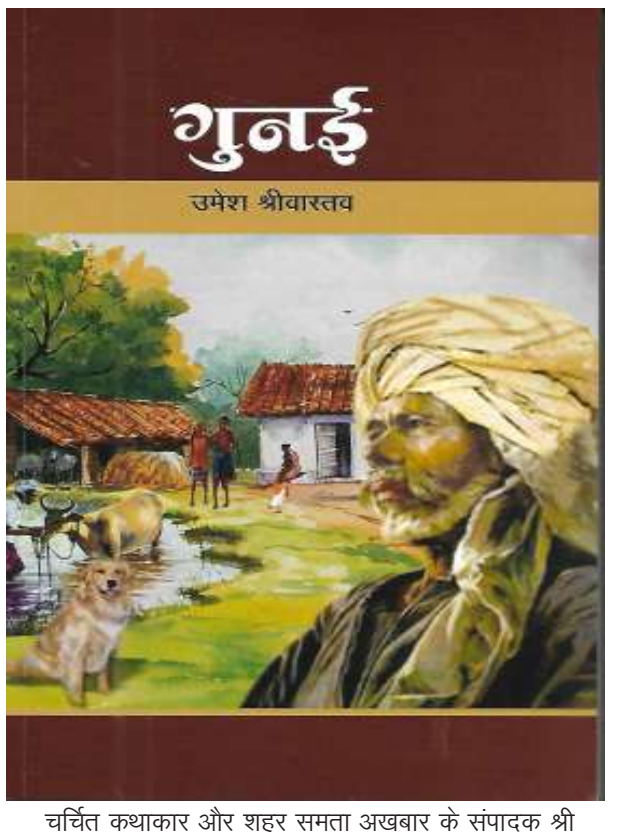

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

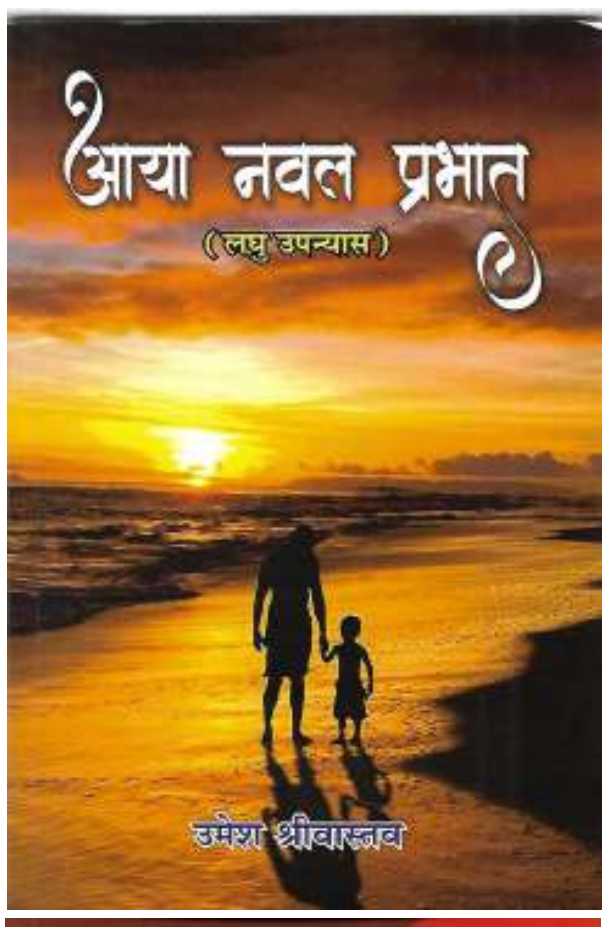

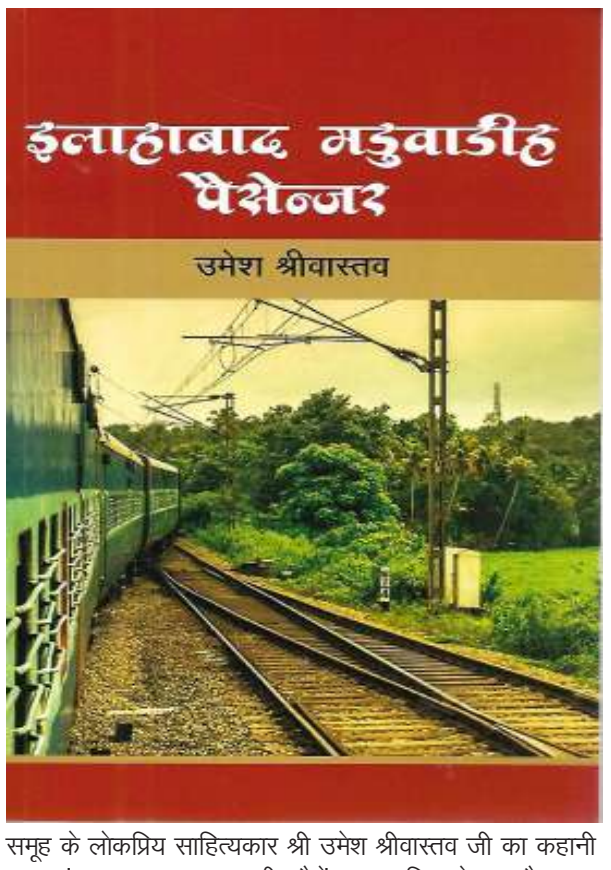

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

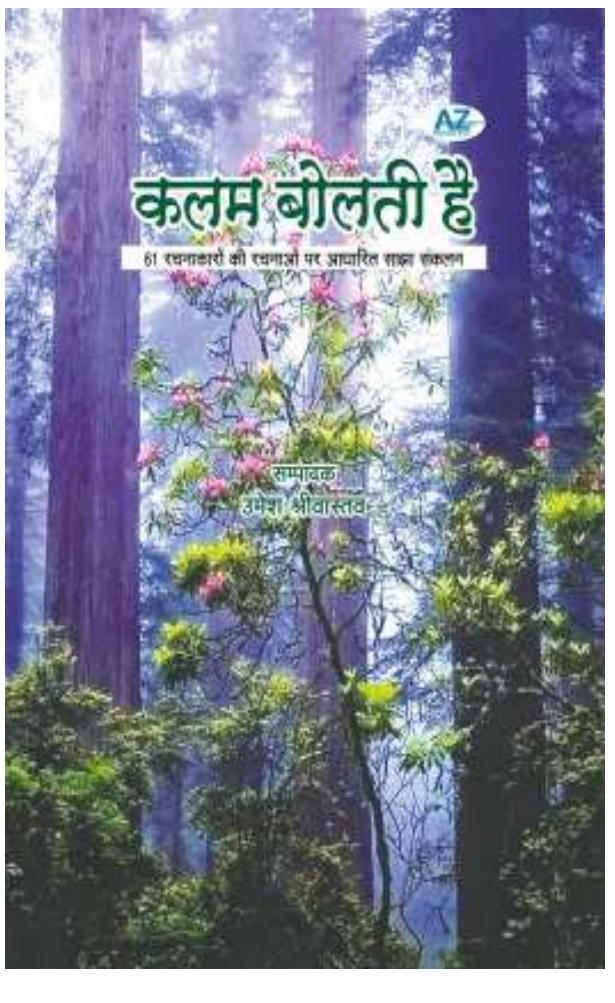

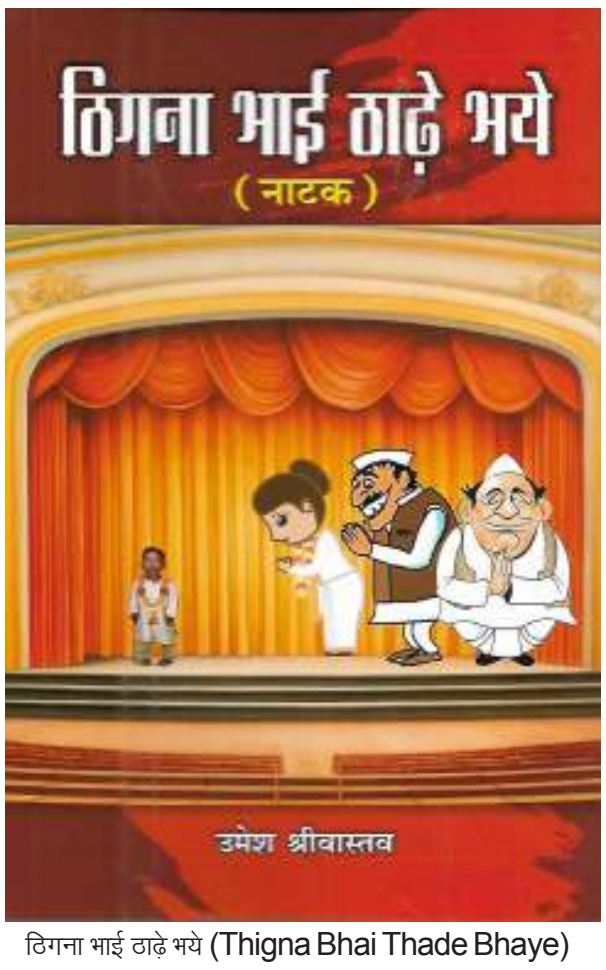

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जोहानिसबर्ग के क्लीवलैंड में गोलीबारी, 12 लोगों की मौत और नौ घायल, मृतकों का बढ़ सकता है आंकड़ा

एजेंसी/जोहनिसबर्ग , दक्षिण अफ्रीका के जोहनिसबर्ग के पूर्व में क्लीवलैंड स्थित एक अनौपचारिक बस्ती में गोलीबारी

हुई है। इस हिंसक घटना में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा ने बताया कि मंगलवार रात करीब 11रू10 बजे जंपर्स अनौपचारिक बस्ती में गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस को कई इलाके के विभिन्न स्थानों पर कई घायल मिले हैं। घटनास्थल पर आठ पुरुष और तीन महिलाओं को मृत घोषित किया गया। एक अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। घायलों को तत्काल चिकित्सा उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, 10 से अधिक संदिग्धों को एक सफेद टोयोटा क्वांटम वाहन से बस्ती के पास छोड़ा गया था। हमलावरों का तरीका हमलावरों ने बस्ती में प्रवेश करने के लिए दो अलग–अलग रास्तों का इस्तेमाल किया। वे समुदाय के भीतर घूमते हुए निवासियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। गोलीबारी के बाद सभी संदिग्ध उसी सफेद टोयोटा क्वांटम वाहन में बैठकर फरार हो गए। पुलिस ने अपने बयान में बताया कि संदिग्धों को क्लीवलैंड में एक पेट्रोल पंप के पास उतारा गया था। जांच और चुनौती इस भीषण हमले का मकसद अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है। अधिकारियों ने हमलावरों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। उन्होंने जनता से इस घटना से संबंधित कोई भी जानकारी साझा करने की अपील की है। दक्षिण अफ्रीका में हिंसक अपराध का स्तर लगातार उच्च बना हुआ है। यह देश दुनिया में सबसे अधिक हत्या दर वाले स्थानों में से एक है।

पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत, 11 बच्चे भी शामिल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर उसके क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इन हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और बढ़ गया है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तानी हवाई हमले अफगानिस्तान के खोस्त, कुनार और पक्तिका प्रांतों में किए गए। उनके अनुसार हमलों में 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हुई है। तालिबान सरकार ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों को निशाना बनाने वाली कार्रवाई बताया है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इन हमलों को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कई महीनों से सीमा पर तनाव बना हुआ है। फरवरी के अंत से दोनों देशों के बीच लगातार संघर्ष और जवाबी कार्रवाइयां हो रही हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल ऐसे आतंकवादी संगठन कर रहे हैं, जो पाकिस्तान के भीतर हमले करते हैं। विशेष रूप से पाकिस्तान तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर चिंता जताता है। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान में शरण लेकर पाकिस्तान में आतंकी हमले करते हैं। टीटीपी, अफगान तालिबान से अलग संगठन है, लेकिन दोनों के बीच वैचारिक और रणनीतिक संबंध माने जाते हैं। अफगानिस्तान में 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद तालिबान ने सत्ता संभाली थी। तब से पाकिस्तान लगातार काबुल पर टीटीपी को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है। पाकिस्तान के आरोपों को तालिबान सरकार ने किया है खारिज हालांकि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है। उसका कहना है कि वह किसी भी देश के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देती। ताजा हवाई हमलों के बाद क्षेत्र में हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों देशों के बीच बातचीत नहीं हुई तो सीमा पर संघर्ष और तेज हो सकता है।

शी जिनपिंग का उत्तर कोरिया दौराः सहमति का दावा बड़ा, पर हाथ रहा खाली, नहीं हुआ कोई ठोस समझौता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उत्तर कोरिया की दो दिनी यात्रा पूरी करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन के साथ महत्वपूर्ण सहमति पर पहुंचने के दावा किया।

हालांकि, दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई। उत्तर कोरिया की यात्रा के पहले दिन सोमवार को जिनपिंग ने किम को चीन के अटूट समर्थन का आश्वासन दिया था। यह सात साल बाद जिनपिंग की उत्तर कोरिया की यात्रा थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

जंग के बीच अब पानी पर निशानाः ईरान के सिरिक में अमेरिकी बमबारी के बाद जलापूर्ति ठप, संकट और गहराने की आशंका

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दक्षिणी सिरिक क्षेत्र में हुए अमेरिकी हमलों में पानी के दो बड़े टैंक नष्ट हो गए हैं। इस हमले के कारण पूरे जिले में पीने के पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई है। इन हमलों के बाद ईरान ने चेतावनी दी है कि वह खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर लगातार मिसाइलें दागेगा। उसने यह भी कहा कि खाड़ी देशों की पानी साफ करने वाली मशीनों (डिसैलिनेशन इंफ्रास्ट्रक्चर) को भी निशाना बनाया जा सकता है, जिन पर ये देश 90 प्रतिशत से ज्यादा निर्भर हैं। ईरान ने हमलों कड़ी निंदा की

ईरान ने इन हमलों की कड़ी निंदा की है। मुंबई में स्थित ईरानी

कॉन्सुलेट ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं को निशाना बनाना गंभीर मानवीय चिंता का विषय है। रिपोर्ट के अनुसार, सिरिक के बामनी जिले में ये टैंक स्थित थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा? यह तनाव तब शुरू हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर गिराने का आरोप लगाया। अमेरिकी सेना ने इसे ईरान की आक्रामकता का जवाब बताया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान के ड्रोन ने हेलीकॉप्टर को गिराया था, हालांकि इसमें दोनों पायलट सुरक्षित बच गए। जवाब में अमेरिका ने ईरान के हवाई रक्षा तंत्र और रडार केंद्रों पर कई हमले किए। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया गया। दक्षिणी ईरान के कई हिस्सों, जैसे बंदर अब्बास और क्युशम द्वीप से धमाकों की खबरें आईं। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह कार्रवाई आत्मरक्षा में की गई है। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने भी की कार्रवाई इसके बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने जॉर्डन में स्थित अमेरिकी अल–अजराक बेस पर लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। ईरान का दावा है कि उन्होंने थ–35 लड़ाकू विमानों के हैंगर और कमांड सेंटर को निशाना बनाया। इसके अलावा, बहरीन में मौजूद अमेरिकी पांचवें बेड़े पर भी ड्रोन से हमले किए गए। क्या बोले ईरान के विदेश मंत्री? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि विदेशी सेनाओं को जोखिम से बचने के लिए यह क्षेत्र छोड़ देना चाहिए। ईरान ने साफ किया है कि अगर अमेरिका के हमले जारी रहे, तो वह और भी कड़ा जवाब देगा। इस टकराव ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। ईरान ने यह भी कहा कि अमेरिकी हमलों ने एक टेलीकम्युनिकेशन टावर को भी नुकसान पहुंचाया है।

गाजा में फलस्तीनियों पर टूटा उग्रवादियों और पुलिस का कहर, कुछ को बनाया अपंग तो कई को उतारा मौत के घाट

एजेंसी/संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गाजा में हमास से जुड़े लड़ाकों और पुलिस इकाइयों ने युद्ध के दौरान दर्जनों फलस्तीनियों की हत्या की, उन्हें गंभीर रूप से घायल किया और सार्वजनिक रूप से फांसी दी। रिपोर्ट के अनुसार, ये कृत्य युद्ध अपराध की श्रेणी में आते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (OHCHR) की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्धग्रस्त गाजा में सैकड़ों मामलों में लोगों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के सजा दी गई। इन घटनाओं का प्रचार भी किया गया ताकि आम लोगों में डर का माहौल बनाया जा सके। फलस्तीनियों पर कैसे बरपाया गया कहर? रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में लोगों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया, घुटनों में गोली मारी गई, लोहे की पाइप और सीमेंट की ईंटों से हड्डियां तोड़ी गईं तथा बुरी तरह पीटा गया। इन कार्रवाइयों को कथित तौर पर इस्राइल के लिए जासूसी करने, राहत सामग्री लूटने, चोरी, नशीले पदार्थों से जुड़े अपराध या राजनीतिक विरोधियों से संबंध रखने की सजा के रूप में पेश किया गया। 249 मामलों का किया गया दस्तावेजीकरण यूएन आयोग ने अगस्त 2024 से जनवरी 2026 के बीच ऐसे 249 मामलों का दस्तावेजीकरण किया है, जिनमें 108 लोगों की

मौत हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन घटनाओं में से लगभग एक–चौथाई मामलों में हमास से जुड़े लड़ाकों और पुलिस बलों की भूमिका सामने आई है। आयोग ने हमास से जुड़े मामलों की विशेष जांच की, हालांकि अन्य सशस्त्र समूहों पर लगे आरोपों को भी दर्ज किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सजा देने की ये कार्रवाइयां अदालतों या न्यायाधीशों के आदेश से नहीं, बल्कि हमास की सैन्य शाखा और पुलिस इकाइयों द्वारा सीधे की गईं। हमास ने किन–किन लोगों को बनाया निशाना? रिपोर्ट के अनुसार, निशाने पर आए लोगों में हमास विरोधी कार्यकर्ता, इस्राइल समर्थित स्थानीय समूहों के सदस्य और ऐसे लोग शामिल थे, जिन पर हमास को कमजोर करने का आरोप लगाया गया था। यूएन ने जिन मामलों का जिक्र किया है, उनमें सितंबर 2025 में शिफा अस्पताल के बाहर तीन आंखों पर पट्टी बंधे लोगों को भीड़ के सामने गोली मारने की घटना भी शामिल है। इसके अलावा अक्तूबर 2025 में गाजा सिटी के एक सार्वजनिक चौक पर आठ लोगों को घसीटकर लाया गया और गोली मार दी गई। इन लोगों पर जासूस, गद्दार और इस्राइल का सहयोगी होने का आरोप लगाया गया था। यूएन आयोग ने कहा कि ये घटनाएं अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और मानवाधिकार कानून का गंभीर उल्लंघन हैं। आयोग के अनुसार, ऐसे कृत्य हत्या के युद्ध अपराध की श्रेणी में आते हैं और जीवन, स्वतंत्रता, सुरक्षा तथा निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार का हनन करते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कई लोगों, जिनमें बच्चे भी शामिल थे, को चोरी, नशीले पदार्थों की तस्करी या तंबाकू की अवैध बिक्री के आरोप में सार्वजनिक रूप से पीटा गया और अपमानित किया गया। कुछ गवाहों ने बताया कि ऐसी सजा अस्पताल परिसरों में भी दी गई, जिनमें खान यूनिस का नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स शामिल है। हालांकि आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि अस्पताल परिसरों में हुई इन घटनाओं के बावजूद अस्पतालों को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मिलने वाला संरक्षण समाप्त नहीं होता। गौरतलब है कि इस्राइल लंबे समय से हमास पर स्कूलों, अस्पतालों और मस्जिदों का सैन्य गतिविधियों के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाता रहा है। रिपोर्ट में पश्चिमी तट (वेस्ट बैंक) में इस्राइली बसने वालों द्वारा बढ़ती हिंसा की भी आलोचना की गई है। यूएन का कहना है कि यह हिंसा फलस्तीनी क्षेत्रों पर इस्राइली नियंत्रण मजबूत करने, बस्तियों के विस्तार और फलस्तीनियों को उनकी जमीनों से हटाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है। यूएन के आंकड़ों के अनुसार, इस्राइल–हमास युद्ध शुरू होने के बाद से कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इस्राइली सैनिकों या बसने वालों की कार्रवाई में 1,098 फलस्तीनियों की मौत हुई है, जिनमें कम से कम 240 बच्चे शामिल हैं। वहीं, ग्रामीण इलाकों में रहने वाले कई बेडौइन समुदायों को भी अपनी जमीन छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है, जबकि नई इस्राइली चौकियां स्थापित की जा रही हैं और कुछ पुरानी बस्तियों को कानूनी मान्यता देने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। हमास ने फिलहाल यूएन रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, इस्राइल के विदेश मंत्रालय की ओर से भी रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों पर कोई जवाब नहीं आया है।

संयुक्त राष्ट्र में PAK-चीन को झटका, अमेरिका ने BLA को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित करने का प्रस्ताव रोका

न्यूयॉर्क , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका ने पाकिस्तान और चीन की एक बड़ी योजना को नाकाम कर दिया है। दोनों देशों ने मिलकर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) और मजीद ब्रिगेड को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे अमेरिका ने रोक दिया है। पाकिस्तान और चीन ने पिछले साल सितंबर में सुरक्षा परिषद की श्1267 अल कायदा प्रतिबंध समितिश के सामने यह साझा अर्जी लगाई थी। इस महीने अमेरिका के साथ फ्रांस और ब्रिटेन ने भी इस प्रस्ताव का विरोध किया। ये तीनों देश सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं और इनके पास वीटो की शक्ति भी है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा था कि ठस। और मजीद ब्रिगेड जैसे संगठन अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वहां 60 से ज्यादा आतंकी कैंप चल रहे हैं, जहां से घुसपैठ और हमले किए जाते हैं। पाकिस्तान ने उम्मीद जताई थी कि परिषद इन संगठनों पर जल्द पाबंदी लगाएगी ताकि उनकी आतंकी गतिविधियों पर लगाम लग सके। हैरानी की बात यह है कि अमेरिका ने खुद ठस। और मजीद ब्रिगेड को अपनी घरेलू सूची में विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने इन संगठनों को वैश्विक आतंकी माना था ताकि उनकी मदद रोकी जा सके। अमेरिका का मानना है कि आतंकी संगठनों पर पाबंदी लगाना इस खतरे से लड़ने का एक प्रभावी तरीका है। BLA ने हाल के वर्षों में कई बड़े हमले किए हैं। साल 2024 में कराची एयरपोर्ट और ग्वादर पोर्ट के पास आत्मघाती हमले हुए थे। मार्च 2025 में इस संगठन ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को अगवा कर लिया था। इस घटना में 31 लोगों की जान गई थी और 300 से ज्यादा यात्रियों को बंधक बनाया गया था। बता दें कि, इससे पहले चीन ने कई बार भारत और अमेरिका के उन प्रस्तावों को रोका था, जिनमें पाकिस्तान में छिपे आतंकियों पर पाबंदी लगाने की मांग की गई थी। फिलहाल पाकिस्तान सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है, जबकि चीन स्थायी सदस्य के रूप में परिषद का सदस्य है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

पश्चिम एशिया में फिर भड़का तनाव, ईरान का दावा- बहरीन में अमेरिकी बेस पर किया ड्रोन हमला

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब खुली सैन्य कार्रवाई तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। ईरान ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट मुख्यालय पर ड्रोन हमला किया। इसके कुछ घंटों बाद अमेरिका ने भी जवाबी कार्रवाई की पुष्टि कर दी।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, रडार साइट्स और ग्राउंड कंट्रोल स्टेशनों पर सटीक हमला किया है। पूरे घटनाक्रम के बाद होर्मुज क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। सेंटकॉम ने कहा कि एक दिन पहले अमेरिकी सेना का एएच–64 अपाचे हेलीकॉप्टर गिराए जाने के बाद यह हमला किया गया। अमेरिका का दावा है कि ईरान की ओर से क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों के लिए खतरा पैदा किया जा रहा था। इसके जवाब में अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिका ने इसे संतुलित और सीमित जवाब बताया है। आखिर ईरान ने अमेरिकी बेस पर हमला क्यों किया? ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी ने कहा कि यह हमला अमेरिका की ओर से दक्षिणी ईरान में किए गए एयरस्ट्राइक के जवाब में किया गया। ईरान का आरोप है कि अमेरिकी सेना ने जास्क, सिरिक और केश्म जैसे इलाकों में हमले किए, जिससे नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा। आईआरजीसी के मुताबिक इन हमलों में टेलीकॉम टावर और पानी की टंकियां तबाह हुईं। इसके बाद ईरान ने शाहेद–136 ड्रोन के जरिए बहरीन स्थित अमेरिकी नौसैनिक मुख्यालय को निशाना बनाया। अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट का महत्व क्या है? बहरीन में मौजूद अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट पश्चिम एशिया में अमेरिका की सबसे अहम सैन्य ताकतों में से एक मानी जाती है। यह फ्लीट अरब सागर, लाल सागर, फारस की खाड़ी और हिंद महासागर के कुछ हिस्सों में अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियों की निगरानी करती है। साथ ही तेल सप्लाई रूट और अंतरराष्ट्रीय जहाजों की सुरक्षा भी इसी के जिम्मे होती है। ऐसे में इस ठिकाने पर हमला क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर माना जा रहा है।

क्या होर्मुज क्षेत्र में बढ़ रहा है सैन्य खतरा? यह पूरा घटनाक्रम होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सामने आया है। हाल ही में अमेरिकी सेना के एक [illegible]–64 अपाचे हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद अमेरिका ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम और रडार साइट्स पर हमला किया था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी सैनिकों और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए की गई। दूसरी तरफ ईरान ने इसे अपनी संप्रभुता पर हमला बताया और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी। ईरान ने अमेरिका को क्या चेतावनी दी? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने साफ कहा कि ईरानी सेना किसी भी हमले का जवाब दिए बिना नहीं बैठेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर अमेरिका सुरक्षित रहना चाहता है, तो उसे इस क्षेत्र से बाहर निकलना होगा। प्ळ८ ने भी चेतावनी दी कि अगर आगे कोई हमला हुआ, तो उसका जवाब और ज्यादा ताकत के साथ दिया जाएगा। ईरानी मीडिया के मुताबिक बहरीन के आसपास कई धमाकों की आवाजें भी सुनी गईं। क्या इस्राइल–ईरान संघर्ष फिर बढ़ सकता है? यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब हाल ही में इस्राइल और ईरान के बीच संघर्षविराम लागू हुआ था। लेकिन अब अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव पूरे पश्चिम एशिया में नई अस्थिरता पैदा कर सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर हालात नहीं संभले, तो इसका असर वैश्विक तेल सप्लाई, व्यापारिक जहाजों और अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ सकता है। फिलहाल दुनिया की नजरें अमेरिका, ईरान और पश्चिम एशिया के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

'असांविधानिक और क्रूर': अलबामा में नाइट्रोजन गैस से मृत्युदंड पर स्थायी रोक, जज ने कहा- ये प्रतिबंध का उल्लंघन

मॉन्टगोमेरी, एजेंसी। अमेरिका के अलबामा राज्य में नाइट्रोजन गैस के जरिए दी जाने वाली मौत की सजा पर बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने इस तरीके को संविधान के खिलाफ और अत्यधिक क्रूर बताते हुए एक कैदी की प्रस्तावित सजा पर स्थायी रोक लगा दी है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश एमिली सी. मार्क्स ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि नाइट्रोजन गैस के जरिए मौत की सजा देना संविधान में दिए गए क्रूर और असामान्य सजा पर प्रतिबंध का उल्लंघन करता है। कैदी को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने पर स्थायी रोक यह फैसला उस समय आया जब एक अपीलीय अदालत ने एक दिन पहले ही उनके पुराने फैसले को पलट दिया था, जिसमें इस पद्धति को सांविधानिक माना गया था। जज मार्क्स ने कैदी जेफरी ली को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने पर स्थायी रोक लगा दी। जेफरी ली को गुरुवार को अलबामा की एक जेल में मृत्युदंड दिया जाना थी। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य चाहे तो अन्य स्वीकृत तरीकों से सजा–ए–मौत को लागू कर सकता है। अलबामा में फिलहाल घातक इंजेक्शन (लीथल इंजेक्शन) और इलेक्ट्रिक चेयर भी वैध मृत्युदंड के तरीके हैं। जज ने कहा कि जेफरी ली को इन तरीकों से फांसी रोकने का अधिकार नहीं है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।